संपादक - अश्वनी वर्मा 70180-86211

खबर जो सत्य उगले.

prachandsamay.com

''तुम पानी जैसे बनो

सुविचार

जो अपना रास्ता खुद बनाता है, पत्थर जैसे ना बनो जो दूसरों का भी रास्ता रोक लेता है।"

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

आरएनआई नंबर- एचपीएचआईएन/2019/79889 💻 वर्ष-५, अंक-१३६, पृष्ठ-८, मूल्य- ६ रुपए

हिमाचल का सबसे तेज बढ़ता अखबार

तो इसलिए दिव्यांका ने... पेज-८

क्या हिमाचल की बेटी को न्याय भी मिलेगा?... पेज-6

शिमला, सोमवार, 22 अप्रैल, 2024

पालमपुर में हुए घटनाक्रम पर पूर्व सीएम एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ने घेरी कांग्रेस सरकार कहा- कानून व्यवस्था को बनाए रखने में पूरी तरह से नाकाम रही है प्रदेश सरकार, इस घटनाक्रम को बताया निंदनीय, तुरंत कड़ी कार्रवाई की उठाई मांग

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने पालमपुर में कॉलेज छात्रा पर हुए हमले की निंदा करते हुए प्रदेश सरकार की कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। मंडी में मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए जयराम ठाकुर ने कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। कांग्रेस की प्रदेश सरकार के कार्यकाल में हिमाचल में गुंडाराज बढ़ गया है। कॉलेज छात्रा पर तेजधार हथियार से हुए हमले की इस घटना ने पूरे प्रदेश को स्तब्ध कर दिया है। जयराम ठाकुर ने इस घटना में घायल छात्रा के जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हुए, दोषी युवक के खिलाफ कडी कार्रवाई की भी मांग उठाई। उन्होंने कहा कि शिमला में पुलिस कंट्रोल रूम के सामने मर्डर होता है और इसी स्थान पर भाजपा के नेताओं पर प्रेस कांफ्रेंस में युवा कांग्रेस द्वारा हमले की कोशिश की जाती है और पुलिस तमाशा देख रही थी। चंबा में एक युवक के टुकड़े टुकड़े कर के पास प्रचार-प्रसार के लिए कोई



नाले में फैंक दिया जाता है और सरकार मामला दबाने की कोशिश करती है। जयराम ठाकुर ने हमीरपुर यूथ कांग्रेस क्लब द्वारा कथित तौर पर कंगना रनौत के खिलाफ डाली गई अभद्र पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि चुनावी दौर में भी हिमाचल प्रदेश के कांग्रेसी नेताओं

मुद्दा नहीं बचा है। विकास के मुद्दे के पर बात करने के बजाय कांग्रेसी नेता निम्न स्तर की बातों में लगे हैं और आए दिन भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी कंगना रनौत पर अभद्र टिप्पणियां कर रहे हैं। हमीरपुर यूथ कांग्रेस के किसी पदाधिकारी द्वारा कंगना के खिलाफ टिप्पणी व अभद्र फोटो अपलोड किया गया है जिसकी

शिकायत भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव आयोग को सौंप दी है। जयराम ठाकुर ने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने से कांग्रेसी नेता बाज नहीं आ रहे हैं। भाजपा द्वारा बार-बार शिकायत करने के बाद भी इन नेताओं पर कोई भी असर नहीं हो रहा है। पूर्व में कांग्रेस पार्टी की राष्ट्रीय नेत्री द्वारा मंडी

कंगना रनौत के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की थी। वहीं अब हिमाचल प्रदेश में दायित्ववान नेता खुलेआम कंगना पर अभद्र टिप्पणियां कर रहे हैं। जयराम ठाकुर ने कहा कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनता देख कांग्रेस पार्टी के नेताओं की बौखलाहट और बढ़ गई है। इसी बौखलाहट के चलते आए दिन कांग्रेस पार्टी के नेता इस तरह की टिप्पणियों में लगे हुए हैं।

आर.एस.एस. को विक्रमादित्य सिंह के मार्गदर्शन की आवश्यकता

मीडिया द्वारा पूछे सवाल पर नेता प्रतिपक्ष एवम पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने कहा कि स्वाभाविक रूप से कांग्रेस के प्रत्याशी ऐसे मुद्दे की तलाश में हैं जहां से उन्हें सहयोग और समर्थन मिले लेकिन मैं समझता हूं कि वो बहुत बड़ी गलती कर रहे हैं। आर.एस.एस. को विक्रमादित्य

संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी सिंह के मार्गदर्शन की आवश्यकता नहीं है। एक ऐसा संगठन जिसकी देश और दुनिया में अपनी एक अलग पहचान है। वो अपना निर्णय करने में सक्षम है। उन्हें ऐसी टिप्पणी ऐसे संगठन पर नहीं करनी चाहिए।

आपदा में मंडी के सात पुल बहे, आपने कितने बहाल किए, बताएं विक्रमादित्य

पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने

कहा कि आपदा में मंडी के सात पुल बह गए और लोगों को आठ माह से ब्यास के आरपार जाने में दिक्कत हो रही है। ऐसे में हम पीडब्ल्युडी मंत्री और अब कांग्रेस से प्रत्याशी बनकर आए विक्रमादित्य सिंह से पूछना चाहते हैं कि आपने कितने पुल बहाल किए। सच तो ये है कि इन्होंने एक भी पुल रिस्टोर नहीं किया। अब लोग पुल न होने के कारण जान गंवा रहे हैं। मुझे यह कहते हुए बहुत दुःख हो रहा है कि ब्यास नदी पार करते हुए मंडी शहर के एक दंपति हादसे का शिकार हो गए और पति की मौत

नेता प्रतिपक्ष ने सिराज विधान सभा क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों का दौरा किया

पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने अपने विधान सभा क्षेत्र की विभिन्न पंचायतों का दौरा कर स्थानीय लोगों से मुलाक़ात की और भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी कंगना रनौत के लिए वोंट मांगा। जनसंपर्क अभियान के क्रम में जयराम ठाकुर सबसे पहले ग्राम पंचायत खारशी और सलाहर पहुँच कर लोगों से मुलाकात की। इसके उन्होंने देवधार और कोटला भी पहुँचे। उन्होंने पार्टी के सभी साथियों से आग्रह किया कि लोकसभा चुनाव में कंगना की ऐतिहासिक जीत के लिए पूरी निष्ठा से अपनी भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि यहां के परिवारजनों ने भी भरोसा दिलाया है कि मण्डी संसदीय क्षेत्र की भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत जी को भारी मतों से विजयी बनाकर लोकसभा भेजा जाएगा।

इस हादसे में हुई। आखिर इसके लिए कौन जिम्मेवार है। उन्होंने कहा कि सड़कों के लिए तीन हजार करोड़ दिल्ली से मोदी सरकार ने दिया है जिसका वो बड़ा बखान कर रहे हैं कि मैंने लाया लेकिन दिया तो भाजपा सरकार ने है। आप बताएं आपने क्या

मंडी यूनिवर्सिटी और शिवधाम पर क्यों चुपी साधी

उन्होंने कहा कि मंडी यूनिवर्सिटी पर सांसद प्रतिभा सिंह और मंत्री विक्रमादित्य सिंह क्यों खामोश बैठे रहे। इसका उन्हें जनता के बीच जवाब देना होगा। आज 250 करोड़ की लागत से बनने वाला मंडी का शिवधाम क्यों खंडहर बना हुआ है, एयरपोर्ट का काम आगे क्यों नहीं बढ़ा जबिक हमने सारी औपचारिकताएं पूर्ण कर ली है। प्रतिभा सिंह और विक्रमादित्य सिंह को इसका जवाब देना ही होगा।

कंगना पर टिप्पणियाँ न केवल अपमानजनक और यौन उन्मुख हैं, भाजपा ने चुनाव आयोग से कहा

अश्वनी वर्मा . शिमला

भारतीय जनता पार्टी ने भारत के चुनाव आयुक्त से कंगना रनौत पर कांग्रेस की टिप्पणियों को लेकर शिकायत की है। भाजपा ने आयोग के संज्ञान में लाया है कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेताओं द्वारा आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों के गंभीर उल्लंघन बार-बार हो रहा है। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपनी विभिन्न शाखाओं को सोशल मीडिया पर सुश्री कंगना रनौत के चरित्र की हत्या करने का निर्देश दिया है। घटनाओं की इस श्रृंखला में, अब हमीरपुर युवा कांग्रेस क्लब ने सुश्री कंगना रनौत की कलात्मक गतिविधियों से एक तस्वीर का उपयोग किया है ताकि उन्हें बड़े पैमाने पर



चरित्र के रूप में चित्रित किया जा दोहरे अर्थ वाली टिप्पणियाँ पोस्ट कर्तव्य है कि वह उसे दिए गए चरित्र सके और उस पर अपमानजनक की जा सकें। प्रत्येक कलाकार का को यथासंभव विश्वसनीय रूप से

चित्रित करे तथा प्रत्येक चरित्र की अपनी चुनौतियाँ और आवश्यकताएँ होती हैं। फिर भी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने इस तथ्यात्मक पहलू को नजरअंदाज किया है तथा सुश्री रनौत की कलात्मक

गतिविधियों का बार-बार उपयोग करके उन्हें अश्लील तरीके से चित्रित किया है, जबकि उनके चरित्रों के विश्वसनीय चित्रण ने उन्हें प्रशंसा

और राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार दिलाए हैं। हमीरपुर युवा कांग्रेस क्लब द्वारा सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई अपमानजनक टिप्पणियों के स्क्रीनशॉट भी भाजपा ने संलग्न किया है। भाजपा का कहना है कि उपरोक्त भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से जुड़े संगठनों ने 1 जुन, 2024 को होने वाले लोकसभा चुनावों के लिए हिमाचल प्रदेश के 2-मंडी संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी द्वारा खड़े किए गए उम्मीदवार को नीचा दिखाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का दुरुपयोग किया है। ये टिप्पणियाँ न केवल अपमानजनक और यौन उन्मुख हैं, जो एक महिला की गरिमा को कम करती हैं; बल्कि ये आदर्श आचार संहिता के अनिवार्य दिशानिर्देशों का भी उल्लंघन करती हैं। उपरोक्त व्यक्तियों ने सुश्री कंगना रनौत के खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर घिनौनी और अश्लील दोहरे अर्थ वाली भाषा का इस्तेमाल किया है, जो कि भारत के संविधान के अध्याय तीन में परिकल्पित उनके सम्मान और शालीनता के अधिकार का स्पष्ट उल्लंघन है। इसके अलावा, उपरोक्त व्यक्तियों की

टिप्पणी भारतीय दंड संहिता. 1860

500, 503, 504, 505, 506 और 509 के साथ सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के तहत अपराध को भी आकर्षित करती है। उपरोक्त व्यक्तियों की टिप्पणी जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 123 (4) के तहत परिभाषित "भ्रष्ट आचरण" की परिभाषा के अंतर्गत आती है।

आयोग इस बात को भी ध्यान में रख सकता है कि भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेताओं का ऐसा गैरजिम्मेदाराना व्यवहार एक खतरनाक पैटर्न का अनुसरण करता है। वे आदतन अपराधी हैं और कानून के प्रावधानों और आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने का उनका इतिहास रहा है और यह पहली बार नहीं है कि कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने सुश्री

निंदनीय और अपमानजनक टिप्पणी की है। इस बात पर जोर दिया जाता है कि सभी राजनीतिक दलों को आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों और चुनावी कानूनों और आदर्श आचार संहिता में निर्धारित नियमों का पालन करना अनिवार्य है। सार्वजनिक डोमेन में अत्यधिक आपत्तिजनक और अभद्र बयान स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि कांग्रेस पार्टी का देश के कानून के प्रति कोई सम्मान नहीं है। इसलिए, आयोग से अनुरोध है कि वह न्याय और निष्पक्षता के हित में आपत्तिजनक, निंदनीय और अपमानजनक भाषा का उपयोग करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस और उसके सहयोगी हमीरपर यवा कांग्रेस क्लब के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई शुरू करे।

सुजानपुर का मूड चैक करेंगे मुख्यमंत्री सुक्खू

सुजानपुर यानी सुजान अर्थात बुद्धिमान या विद्वान लोगों का शहर। इतिहासकारों की मानें तो 1761 ईस्वी में कटोच वंश के राजा घमंड चंद ने देशभर से हर क्षेत्र में निपुण लोगों को यहां लाकर इस सुजानपुर शहर को बसाया था। जैसा कि सब जानते हैं कि 100 साल से अधिक पुराने किले के अलावा मंदिर और यहां बहुत कुछ ऐसा है, जिसका अपना रोचक इतिहास है। खैर ये तो हो गई गुजरे जमाने की बातें लेकिन 74763 मतदाताओं वाले इसी शहर का एक इतिहास यह भी है कि आज से करीब सात साल पहले यहां के लोगों ने घोषित मख्यमंत्री चेहरे को भी हरा दिया था। इसकी चर्चा इस लंबी समयावधि में लोग अपने-अपने ढंग से करते रहे और आज भी कर रहे हैं। चुनावी बयार में यह चर्चा इसलिए एक बार लोगों की जुबां पर आई है क्योंकि जिला हमीरपुर से ताल्लुक रखने वाले प्रदेश के वर्तमान मुख्यमंत्री की भी प्रतिष्ठा एक बार फिर से दाव पर लगी है। और इसकी कडिय़ां जिला के दो विधानसभा क्षेत्रों से जुड़ी हैं, जिनमें



सुजानियों का शहर भी शामिल है। इसी सुजानपुर का एक इतिहास यह भी है कि यहां की जनता पिछले तीन टर्म से एक ही नेता को जिताकर विधानसभा की दहलीज के अंदर भेजती आ रही चाहे उसने आजाद चुनाव लड़ा हो या फिर कांग्रेस की टिकट पर लड़ा हो।

आज समीकरण ऐसे बने हैं कि वही नेता बतौर भाजपा प्रत्याशी मैदान में है। खैर, राजनीति में सब संभव है। के धर्मशाला विधानसभा क्षेत्र की अब देखने वाली बात यह होगी कि सियासी टोह लेंगे और उसके बाद क्या सुजानपुर की बुद्धिमान जनता

इतिहास दोहराएगी या नया इतिहास बनाएगी पूरे प्रदेश की नजरें खासतौर पर इस विधानसभा क्षेत्र पर लगी हैं। इसी सियासी उफान के बीच मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू सोमवार को विद्वान लोगों के इस विधानसभा क्षेत्र में आ रहे हैं। मुख्यमंत्री के जारी शेड्यूल के मुताबिक सुखविंदर सिंह सुक्खू 21 अप्रैल को पहले जिला कांगड़ा 22 को सुबह वह पालमपुर और

थुरल के रास्ते सुजानपुर पहुंचेंगे। यह मुख्यमंत्री के गृह जिले का वही हलका है, जहां से कांग्रेस की टिकट पर 2022 का विधानसभा चुनाव जीते राजेंद्र राणा बगावत करके पिछले दिनों भाजपा में शामिल हो गए थे और अब उपचनाव में यहां से भाजपा के प्रत्याशी हैं। मुख्यमंत्री का यह दौरा काफी अहम माना जा रहा है।

सुजानपुर-धर्मशाला में प्रतिष्ठा दांव पर

दुसरी बात यह देखने वाली होगी कि इस हलके से जीत की हैटिक लगा चुके राणा को घेरने के लिए मुख्यमंत्री किस तरह की रणनीति बनाते हैं और वो कितनी कामयाब होती है। जैसा कि सब जानते हैं कि भाजपा की तरह मुख्यमंत्री भी उपचुनावों की सभी सीटें जीतना चाहेंगे लेकिन सुजानपुर और धर्मशाला की सीट उनकी प्रतिष्ठा के साथ भी जुड़ी है। ऐसे में एक बात तो तय है कि इन हलकों के लिए सीएम की विशेष प्लानिंग होगी। अब देखने वाली बात यह होगी कि इन हलकों से प्रत्याशी के रूप में पार्टी किसको

चुनाव मैदान में उतारती है।

लिस ने नष्ट की 600 लीटर लाहन

प्रचण्ड समय . बिलासपुर

हिमाचल और पंजाब की सीमा पर स्थित बिलासपुर जिला के मजारी खडु में पुलिस ने

छापामारी के दौरान 600 लीटर लाहन पकडी जिसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगामी कार्रवाई

शुरू कर दी है।



जानकारी के मुताबिक पुलिस थाना कोट कहलूर के एसएचओ अपनी पुलिस टीम के साथ गश्त पर थे। तभी उन्हें पता चला कि मजारी खड़ में अवैध रूप से लाहन बनाई जा रही है।

जब पुलिस टीम मौके पर पहुंची, तो वहां पुलिस को 3 ड्रम बरामद हुए। तीनों ड्रम में करीब 200-200 लीटर लाहन थी जिसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया



हिमाचल-देश

शिमला, सोमवार, २२ अप्रैल, २०२४

न्यूज ब्रीफ..

नालागढ़ विस क्षेत्र प्रभारी पूर्व सांसद सुरेश चंदेल ने नालागढ़ का दीरा कर बैठक में दिए चुनावी टिप्स

प्रवीण शर्मा, बददी . भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद सुरेश चंदेल ने नालागढ़ का दौरा किया। दतोवाल कार्यालय में बैठक में

प्रचण्ड

भाग लेते हुए उन्होंने कहा शिमला संसदीय क्षेत्र व नालागढ़ विस क्षेत्र के अंतर्गत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना में महत्वपूर्ण कार्य हुए जिसमें से नालागढ़ विधानसभा क्षेत्र को करोड़ो प्राप्त हुए। कांग्रेस भले केंद्र से भेजे गए पैसे का श्रेय लेना चाहे पर प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नहीं। उन्होंने कहा कि आपदा के समय केंद्र ने 1800 करोड़ रुपए हिमाचल प्रदेश को भेजे पर उसमें भी कांग्रेस पार्टी ने बंदर बांट का काम किया अपने चहेतो को वह राशि प्रदान की जो केंद्र से आई थी और जिनको जरूरत थी उनको 1 रु भी प्राप्त नहीं हुआ। कांग्रेस सरकार भेदभाव के लिए जानी जाएगी। इस सरकार ने केवल एक साल में 15000 करोड़ का ऋण लिया और विकास के ऊपर एक भी पैसा नहीं खर्च किया, केवल मात्र 6 सीपीएस और 7 ओएसडी बनाकर अपने मित्रों को सुविधाएं देने का काम किया। यह सरकार केवल खाली खजाने का रोना रोती है, पर अपने कुप्रबंधन को नहीं दिखती।

चंदेल ने कहा कि इस सरकार ने एक भी प्राइमरी स्कूल खोलने का कार्य नहीं किया है। अपितु भारतीय जनता पार्टी की पिछली सरकार ने नालागढ़ क्षेत्र में कई सौगातें दी। सभी निर्णय ऐतिहासिक रहे पर इस बदला बदली की सरकार ने केवल पूरे प्रदेश में 1000 से अधिक सरकारी संस्थाओं को बंद करने का कार्य किया,जो की दुर्भयपूर्ण रहा। चंदेल ने कहा की यह सरकार केवल मात्र जनता को असुविधा देने के लिए आई है, जब यह घर घर वोट मांगने जाएंगे तो जनता इनको स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने अपने कार्यकर्ताओं पूर्व महिला मोर्चा सचिव कविता गौतम व ठाकुर परिजनों के घरों में जाकर चाय पर चर्चाएं की जिनको क्षेत्र में सराहा जा रहा है। बैठक में विधायक के एल ठाकुर, प्रदेश प्रवक्ता लखविंदर राणा,जिलाध्यक्ष रत्न सिंह पाल,आशुतोष,मंडलाध्यक्ष मनोहर लाल,भाज्युमो नेता संदीप कुमार, राकेश परमार आदि मौजूद रहे।

चिहे के साथ महिला गिरफ्तार



बेबाक शर्मा रघुनाथ, जसूर . जिला पुलिस नूरपुर के अंतर्गत पुलिस थाना डमटाल की अवैध नशा पकड़ो टीम ने एक जाल बिछाकर गुप्त सूचना के चलते छन्नी गाँव मे नशा तरस्करों के विरुद्ध बड़ी कार्यबाही करते हुए रम्वी पत्नी अजय कुमार गाँव छन्नी तहसील इन्दौरा जिला कांगड़ा के रिहायशी मकान से तलाशी के दौरान 26.18 ग्राम हीरोइन/ चिट्टा बरामद किया गया। जिस पर उपरोक्त आरोपिया रम्वी को मौका से गिरफ्तार करके उसके खिलाफ IPC की धारा 21ND&PS दर्ज करके आगामी कानूनी कार्यबाही शुरू कर दी है।

पुलिस रिकॉर्ड छानवीन के बाद पाया गया कि उपरोक्त आरोपी रम्वी पत्नी अजय कुमार एक

अभ्यस्त नशा तरस्कर मुजरिम

है। और इस पर पंजाब ब हिमाचल प्रदेश के विभिन्न पुलिस स्टेशनों जैसे धर्मशाला, नंगलभुर(पंजाब), डमटाल, व ब्रह्मपुर जिला गुरदासपुर (पंजाब), पर पहले से ही कई नशा तरस्करी के अभियोग

आजादी के बाद भी नहीं मिली सड़क सुविधा, अब लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करेंगे ग्रामीण

लोकसभा चुनाव में हिमाचल प्रदेश के जिला चंबा के भरमौर विधानसभा क्षेत्र की गान पंचायत की जनता अपने मत का प्रयोग नहीं करेगी, क्योंकि आजादी के 76 सालों के बाद भी इस पंचायत के लोग सड़क की मुख्य धारा से नहीं जुड़ पाए हैं। सड़क के अभाव में मरीज बीच रास्ते में दम तोड़ रहे हैं। इससे नाराज होकर पंचायत प्रतिनिधियों से लेकर ग्रामीणों ने लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करने का मन बनाया है। पांच किलोमीटर पीठ पर



उठाकर मरीज पहुंचाया अस्पताल

रविवार को सुबह के समय

अजय कुमार उल्टी दस्त और सर्दी जुकाम के कारण काफी बीमार हो गया। उसे अस्पताल तक पहुंचाने के लिए परिजनों को ग्रामीणों की मदद

पर उठाकर पहुंचाया गया। इसमें ग्रामीणों ने बारी-बारी से उसे पीठ पर उठाकर यह सफर तय किया। इसके आगे निजी वाहन करके बीमार युवक को अस्पताल पहुंचाया गया।

'सड़क सुविधा न होने से गई एक लड़की की जान'

गान पंचायत के उप प्रधान काका राम ठाकुर ने बताया कि 15 अप्रैल को भी उनकी पंचायत की एक लड़की देर रात के समय अचानक गंभीर रूप से बीमार हो गई। उसे भी पीठ पर उठाकर रात के अंधेरे में पांच

इसके बाद जब उसे निजी वाहन के जरिए चंबा अस्पताल ले जा जाया जा रहा था तो करियां के पास उसकी मौत हो गई।

काका राम ठाकुर ने कहा कि अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने कहा कि यदि उसे बीस मिनट पहले अस्पताल पहुंचा दिया होता तो उसकी जान बच सकती थी। ऐसी कई घटनाएं पंचायत के लोगों के साथ हो चुकी हैं, लेकिन अभी तक किसी भी पंचायत ने उनकी पंचायत को सड़क से जोड़ने की जहमत नहीं

लोकसभा चनाव का बहिष्कार करने का फैसला लिया है। सडक बनाने का पक्का आश्वासन नहीं मिलने पर ग्रामीण चुनाव में अपने वोट का प्रयोग नहीं करेंगे। पंचायत से मत पेटी को खाली भेजा जाएगा।

'आचार संहिता हटने पर होगा सर्वे'

उधर, लोनिवि के अधिशासी अभियंता मीत कुमार ने बताया कि पंचायत को सड़क से जोड़ने के लिए आचार संहिता हटने के उपरांत सर्वे

माञ्र सवा साल में 'गुड गर्वनेंस' की मिसाल बनी सुक्खू सरकारःधर्माणी

प्रचण्ड समय . शिमला

तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी ने कहा है कि वर्तमान राज्य सरकार मात्र सवा साल के कार्यकाल में 'गुड गर्वनेंस' की मिसाल बनी है। उन्होंने कहा कि राजस्व लोक अदालतों के माध्यम से लंबित मामलों को निपटाने में राज्य सरकार को अभूतपूर्व सफलता मिली है। आम लोगों को राहत प्रदान करते हुए फ़रवरी 2014 तक इस विशेष मुहिम के तहत इंतकाल के 1.05 लाख से अधिक तथा तकसीम के सात हजार मामलों का निपटारा किया गया है।



लोक अदालतों के आयोजन की सफलता साबित कर रहे हैं।

धर्माणी ने कहा कि राजस्व लोक अदालतों के आयोजन की राज्य

प्रदेश की जनता खुले दिल से स्वागत ही उनके दर्द को दूर करने के लिए सरकार के फैसलों में जन सेवा की कर रही है और इसके लिए मख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू को धन्यवाद दे रही है। हिमाचल में कहा जाता था कि राजस्व मामले पीढ़ियों तक भुगतने पड़ते हैं लेकिन वर्तमान राज्य सरकार ने इन कहावतों को बदल दिया है, जिसके लिए राजस्व क़ानुनों में संशोधन किया गया, ताकि राजस्व मामलों के निपटारे में तेजी लाई लाए जा सके और लोगों को दफ्तरों के चक्कर न काटने पडें। उन्होंने कहा कि वर्षों तक हिमाचल प्रदेश के लोगों की इस पीड़ा को

किसी सरकार ने नहीं समझा और न

प्रयास किए. लेकिन वर्तमान राज्य सरकार का एकमात्र उद्देश्य जन सेवा है। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा, विशेष रुप से उस वर्ग की सेवा करने की है, जिस पर आज तक किसी ने

राजेश धर्माणी ने कहा कि मात्र सवा साल के कार्यकाल में मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में राज्य सरकार ने उन तबकों की आवाज बनाने का प्रयास किया है, जिसके बारे में किसी सरकार ने कभी विचार नहीं किया। उन्होंने कहा कि राज्य

भावना साफ़ झलकती है। वर्तमान राज्य सरकार ने अनाथ बच्चों के कल्याण के लिए मख्यमंत्री सखाश्रय योजना आरंभ की, महिलाओं को 1500 रुपए पेंशन प्रदान की। यही नहीं, विधवा और एकल नारियों के सशक्तिकरण के लिए राज्य सरकार ने अनेकों योजनाएं आरंभ की हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने मुख्यमंत्री सुख-शिक्षा योजना शुरू की है, जिसके तहत विधवाओं के 27 साल तक के बच्चों की शिक्षा पर होने वाला खर्च प्रदेश सरकार

के सभी पात्र बच्चों को 18 वर्ष की आय तक एक हजार रुपये प्रतिमाह दिए जा रहे हैं। तकनीकी शिक्षा मंत्री ने कहा कि मुख्यमन्त्री विधवा एवम एकल नारी आवास योजना के तहत गृह निर्माण की राशि 1.5 लाख रुपये

उन्होंने कहा कि सवा साल के छोटे से कार्यकाल के भीतर वर्तमान राज्य सरकार ने न सिर्फ दस में से पांच गारंटियों को पूरा किया है, बल्कि इससे आगे बढकर काम कर

व्यापारियों को धमकाने वालो को नायब सैनी की कड़ी चेतावनी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने व्यापारियों को मिल रही धमिकयों पर कड़ा संज्ञान लेते हुए चेतावनी दी है कि या तो दबंगई- छोड़ दें या फिर कड़े परिणाम भुगतान के लिए तैयार रहें। पुलिस किसी भी सूरत में किसी भी दबंग को नहीं बख्शोगी। उन्होंने व्यापारियों को आश्वासन दिया कि व्यापारियों की सुरक्षा में किसी प्रकार की कोई कोताही नहीं बरती जाएगी। सीएम सैनी रविवार को रोहतक लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार डॉक्टर अरविंद शर्मा के समर्थन में बहादुरगढ़ में आयोजित "विजय संकल्प रैली" को संबोधित कर रहे थे। नायब सैनी ने कार्यकर्ताओं से प्रदेश की सभी लोकसभा सीटें व

कि हर घर जाकर लोगों को साधने का काम करें, ताकि भाजपा की बड़ी जीत सुनिश्चित हो सके। नायब सैनी ने कहा कांग्रेस की हालत ऐसी हो गई है कि उनके पास टिकट लेने वाला कोई नहीं है। कोई चुनाव लड़ना ही नहीं चाहता। इसलिए कांग्रेस अब तक प्रत्याशियों की घोषणा नहीं कर पाई है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 साल के दौरान सबका विकास किया है और योजनाबद्ध तरीके से गरीबों को लाभ पहंचाने का काम किया है। बहादुरगढ़ की सब्जी मंडी में भाजपा की विजय संकल्प रैली को संबोधित करते हुए सीएम नायब सैनी ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।

नहीं कर पाई, वो अब कैसे एक झटके में गरीबी कम कर देगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के युवराज राहुल गांधी को अब बताना चाहिए कि अब उनके पास ऐसा कौन सा अलादीन का चिराग है, जिसके सहारे वह एक झटके में गरीबी को खत्म करने का काम करेंगे। नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस के इस झूठ से लोगों को बचना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस झूठ बोलकर लोगों को बरगलाने का काम कर रही है। नायब सैनी ने कहा कि कांग्रेस 55 साल में गरीबी नहीं हटा पाई लेकिन. भाजपा ने अपने 10 सालों में गरीबों के लिए अनेक योजनाएं बनाई जिनमें उन्होंने कहा कि 55-60 साल में जो मुफ्त राशन, आयुष्मान कार्ड, उज्ज्वला

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत हुआ है। चारों तरफ हाईवे, ग्रीनफील्ड हाईवे, सुपर एक्सप्रेसवे बनाए गए हैं। बहादुरगढ़ में केएमपी और केजीपी के माध्यम से यातायात सुगम हुआ है और लोगों को काफी राहत मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर घर नल योजना के तहत स्वच्छ जल पहंचाने का काम किया है। स्वामित्व योजना के तहत यहां के किराएदार लोगों को जमीन का मालिकाना हक दिया गया है। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि किसानों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने

मजबूत करने का काम किया है। 2

लाख करोड़ रुपए किसानों के खाते में

हुड्डा और राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा पर भी जमकर तंज कसा। उन्होंने कहा कि भूपेंद्र हुड्डा के कार्यकाल में किसानों को दो रुपए के चेक मिलते थे। जबकि मनोहर सरकार ने करोड़ों रुपए किसानों को खराब फसल का मुआवजा दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस किसानों को लेकर किस प्रकार से ठगने का काम करती है, इस बात का उदाहरण यह है कि राजस्थान में 5 साल पहले चुनाव में कांग्रेस ने कर्ज माफी का नारा देकर वोट हड़पने का काम किया, लेकिन किसी का एक रुपया भी कर्ज माफ नहीं किया। जिससे हुआ यह है कि 16000 किसानों की जमीन कुर्क हो गई और 4000 से ज्यादा किसानों ने सीधे दिए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री नायब आत्महत्या कर ली। उन्होंने कहा कि पाई।

कर रही है जबकि मोदी सरकार बनने के बाद विकास की गति बढी है। नायब सरकार की जमकर की प्रशंसा रोहतक लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार डॉ अरविंद शर्मा ने केंद्र सरकार के कामों की प्रशंसा करते हुए कहा कि धारा 370 को खत्म करना, राम मंदिर का निर्माण, महिला आरक्षण, सडक-रेल और एयर कनेक्टिविटी कुछ ऐसे कार्य हैं, जिससे लोगों में भाजपा के प्रति विश्वास और बढ़ा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में जिस

प्रकार सरकार ने बिना खर्ची, बिना

पर्ची नौकरी देने का काम किया है ऐसा

काम पहले कोई भी सरकार नहीं कर

महाराणा प्रताप नगर में किया गय<u>ा दम</u>्पति आयाम गतिविधि का आयोजन

प्रबोधन गतिविधि के अन्तर्गत सोलन विभाग का नव दम्पति के तौर पर प्रान्त संयोजक धर्मपाल उपस्थित रहे जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता बददी के वरिष्ठ समाजसेवी हंसराज भारद्वाज ने की । विशिष्ट

विचार रखे । मुख्य वक्ता धर्मपाल ने पूरी तरह से वैज्ञानिक प्रमाणिकता पर आधारित हैं जिसमें गर्भसंस्कार से

है । दूसरा पुंसवन गर्भस्थ शिशु के - सन्तान को सौभाग्य संपन्न होना चैथा जातकर्म - नवजात शिशु के नालच्छेदन से पूर्व इस संस्कार को

और मर्यादा की रक्षा करते हए इस लोक संस्कार का उद्देश्य शिशु के शारीरिक व मानसिक विकास पर ध्यान केन्द्रित करना है । आठवां चुडा कर्म शृचिता के लिए है । नौवां विद्यारंभ, दसवां कर्णवेध, ग्यारवां यज्ञोपवीत बाहरवां तेहरवां केशांत, चैदवां समावर्तन, प्रद्रहवां विवाह और सोलवां जीवन में पांच सी अर्थात पांच शील धारण करने का मन्त्रा दिया । पहला क्राई अर्थात - चिल्लाना या रोना दूसरा

अतिथि के रूप सम्मिलित रहे विभाग जीवन् का विधान बताया 🗓 📆 😈 करने का विधान है । पांचवां और बौद्धिक विकास की परिकल्पना कम्पलेंट - परिवार में कभी भी किसी प्रकार की शिकायत न सदस्य की आलोचना न करना, चैथा क्रश अर्थात कभी गस्सा न होना य मन से बददआ न देना और पांचवां कम्पेयर - हमें कभी भी अपने परिवार के सदस्य की किसी के साथ तुलना नहीं करनी चाहिए ।



शिमला, सोमवार, २२ अप्रैल, २०२४

prachandsamay.com

न्यूज ब्रीफ..

भाजपा सरकार पर हमलावर दृष्यंत चौटाला राजेंद्र सिंह जादौन, चंडीगढ . हरियाणा सरकार

से संबंध टूटने के करीब एक माह बाद जेजेपी नेता समय और पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर हमले शुरू किए है। उल्लेखनीय है कि इसी सरकार को समर्थन के बदले दुष्यंत चौटाला करीब साढ़े चार साल उप मुख्यमंत्री रहे थे। पिछले माह भाजपा ने मुख्यमंत्री बदलते हुए जेजेपी का साथ छोड़ दिया था। अब जबिक जेजेपी भाजपा से अलग अपने बूते लोकसभा चुनाव लड़ने जा रही है तो दुष्यंत ने भाजपा सरकार पर हमले बढ़ा दिए है। दुष्यंत ने रिववार को कहा कि अफसोस की बात है कि फसल खरीद और तुरंत भुगतान की जो व्यवस्था हमने 4 साल सफलता से चलाई अब सरकार उसे पूरी तरह बर्बाद कर रही है। जानबूझ कर किसानों को तंग और परेशान किया जा रहा है। दुष्यंत ने हिसार अनाज मंडी में रविवार को फसल खरीद का जायजा लिया। सरसों और गेहूं की फसलों का अभी तक उठान न होने और सप्ताह में तीन दिन तक फसलों की सरकारी खरीद बंद करने को लेकर अधिकारियों से बातचीत की। दुष्यंत ने कहा कि किसानों को अपनी फसल बेचने के लिए न केवल लंबा इंतजार करना पड़ रहा है, बल्कि उनके खातों में आने वाली राशि में भी अब काफी देरी होने लगी है। इससे पहले भी दुष्यंत ने भाजपा में कांग्रेस नेताओ की आमद को लेकर कहा था कि भाजपा भी अब कांग्रेस युक्त हो गई है। अब भाजपा का साथ छूटने के बाद दुष्यंत चौटाला ने राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों की भूमिका पर भी अंतर बताना शुरू किया है।उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय दल आम आदमी के मुद्दे नही उठाते।जेजेपी हरियाणा की सभी दस लोकसभा सीटो पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर

उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए हिमाचल के प्रज्ञकार सुरेंद्र शर्मा जयपुर में सम्मानित

प्रवीण शर्मा, बददी . उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए हिमाचल प्रदेश के औद्योगिक नगर बददी के वरिष्ठ पत्रकार सुरेंद्र शर्मा को राजस्थान

चुकी है।पांच सीटो पर प्रत्याशी घोषित कर दिए गए है।

में सम्मानित किया गया है। जर्निलस्ट एसोसिएशन आफ भारत के तत्वाधान में जयपुर में आयोजित वैश्य समाज के महा सम्मेलन में स्रेंद्र शर्मा को हिमाचल गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनको वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक अग्रवाल व प्रांतीय अध्यक्ष राजस्थान मनोहर लाल गुप्ता ने प्रदान किया। गौरतलब है कि सुरेंद्र शर्मा दो दशक से पत्रकारिता में जुड़े हुए हैं और हिमाचल की आर्थिक राजधानी बीबीएन में पत्रकारिता करते हैं। वह पिछले दो दशक से जहां हिमाचल के औद्योगिक के प्रति सजग व समर्पित रहे वहीं उन्होंने कलम से माध्यम से उद्योगों व आम जन की समस्याओं को उठाया। इसके अलावा उन्होने श्रमिकों व आवासीय कॉलोनियों के मुददों को अपने जीवन में शामिल किया वहीं आवासीय स्विधाओं की कमी को भी उजागर किया। नगर परिषद में फैले कथित भ्रष्टाचार को लेकर भी सुरेंद्र शर्मा ने लंबे समय से मोर्चा खोला हुआ है और जन सुविधाओं की कमी का भी पर्दाफाश किया। हाउसिंग बोर्ड कालोनियों में पार्कों की दुर्दशा, स्ट्रीट लाईट व 34 करोड की सीवरेज को भी उन्होने उजागर किया। सुरेंद्र शर्मा सुबह 6 बजे से ही शहर के प्रमुख क्षेत्रों का दौरा करके देर रात तक यहां नागरिक सुविधाओं पर चिंतन मंथन करते हैं। शर्मा जो कि रोड सेफटी क्लब बददी (हिमाचल) के निर्वाचित अध्यक्ष हैं का शहर के विकास में भी अहम

जब पुलिस प्रशासन ने हाथ खींच लिए थे तो उन्होने आपदा में जनता के साथ मिलकर बददी नदी में पुल गिर जाने के बाद अस्थाई पुल बनाने में अहम योगदान दिया था। बददी में लगने वाले भयंकर जाम व व्यवस्थाओं को भी उन्होने मीडीया के माध्यम से बेहतर तरीके से उठाया व उसका हल करवाया। आयोजकों ने कहा कि सुरेंद्र शर्मा के दो दशक के बेदाग जीवन व उत्कष्ट पत्रकारिता लेखन के कारण उनको राजस्थान प्रवास के दौरान हिमाचल गौरव अवार्ड से सम्मानित

दिरंदगी पूर्ण है पालमपुर की घटना :वंदना जोगी

हिमाचल प्रदेश भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की राज्य अध्यक्ष वंदना योगी ने पालमपुर में युवती के साथ दराट के साथ मारपीट की घटना को दरिंदगी पुर्ण करार दिया है ,यहाँ जारी एक प्रेस अभियान में वंदना योगी ने कहा कि हमारे समाज में इस प्रकार की दरिंदगी को कभी भी सहन नहीं किया जा सकता।

उन्होंने कहा कि यह घटना युवक ने न हो इसके लिए जरूरी है कि सोचे समझे ढंग से की है।

उन्होंने कहा कि घटना कितनी खौफनाक है यह सुनकर ही दिल कांप जाता है ,उस युवक ने कैसे दरिंदगी की है दराट के साथ 12 से अधिक वार युवती

घटना एक बार फिर से कानन व्यवस्था के औंधे मुंह गिरने का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि लगातार हम कह रहे हैं कि कानून व्यवस्था की धज्जियां उडी हैं, पुलिस का डर नहीं है, माफिया को संरक्षण दिया जा

उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाएं पुलिस का खौफ हो। उन्होंने कहा कि ऐसा लगता है कि प्रदेश की सरकार व्यवस्था परिवर्तन के नाम पर हिमाचल प्रदेश को अपराध की स्थल बनाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा एक नहीं अनेक घटनाएं उन्होंने कहा कि परमपिता परमात्मा इस प्रकार की हुई है। उन्होंने कहा कि युवती को स्वस्थ कुशल रखें यह हमारी 14 महीने के कांग्रेस के कार्यकाल



में गोली चलने, कत्ल होने, रेप होने, अत्याचार होने की अनेकों अनेक घटनाएं हमारे सामने है ।

उन्होंने कहा कि की चिंता का विषय है कि देवभूमि में कानून व्यवस्था का जनाजा निकल रहा है. इसकी परी जिम्मेदारी प्रदेश की कांग्रेस की सरकार की है ।उन्होंने कहा कि प्रदेश की कांग्रेस सरकार कानून व्यवस्था को मजबूत बनाने का काम करें। उन्होंने कहा की युवती को जल्द न्याय मिले, निष्पक्ष न्याय मिले इसकी जल्द से जल्द व्यवस्था होनी चाहिए ,कानूनी दाव पैच में यह मामला नहीं उलझना चाहिए ।उन्होंने कहा कि मेरा समाज से भी आग्रह है कि जब ऐसी घटनाएं हो तो तुरंत

उन्होंने कहा कि आज उस बेटी के साथ हुआ है तो कल किसी और की बेटी के साथ भी हो सकता है, ऐसे में समाज एकजुट होकर के ऐसी दरिंदगी को रोकने का काम करेगा तो निश्चित रूप से सरकार व पुलिस को शर्म आएगी। वही कोई भी हमला करने जैसी सोच अमल में ना ला

वंदना योगी ने युवती की मदद करने वाले यवक .यवती अन्य लोगों के साहस को भी सारहा। उन्होंने कहा कि ऐसे लोग निश्चित रूप से प्रशंसा के पात्र हैं जो तुरंत युवती को अस्पताल लेकर गए और जिन्होंने युवक को और अधिक वार करने से रोका। उन्होंने कहा कि ऐसे साहसी लोगों के सराहना ही अन्य समाज को साहस से आगे बढकर मदद करने की प्रेरणा देता है।

प्रदेश को अराजकता, दादागिरी, गुंडागर्दी का हब बना दिया, यह सब वर्तमान कांग्रेस सरकार की देन : बिंदल

प्रचण्ड समय . शिमला

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजीव बिंदल ने कहा की जिला कांगड़ा के पालमपुर में जिस कदर युवती पर जानलेवा हमले का मामला सामने आया है वह हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सुक्खू को व कांग्रेस सरकार को आईना है। डेढ़ वर्ष के छोटे से समय में हिमाचल प्रदेश को अराजकता का, दादागिरी का, गुंडागर्दी का हब बना दिया है और यह सब वर्तमान कांग्रेस सरकार की देन है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डाॅ० राजीव बिन्दल ने कहा कि युवती के उपर 12 बार धारदार हथियार से वार कर गंभीर रूप से घायल किया गया, यह साबित करता है कि कैसे दिरंदो को, गुण्डों को वर्तमान सरकार का संरक्षण प्राप्त है। चम्बा के दिलत युवक की हत्या करके उसके 8 टुकड़े कर



दिए गए परन्तु सरकार के कान पर जुं तक नहीं रेंगी। उस दिन से हत्या, बलात्कार, डकैती का चला हुआ क्रम थमन का नाम नहीं ले रहा है।

डॉ0 बिन्दल ने कहा कि इस सरकार में डर और भय आम नागरिक को है, भाजपा कार्यकर्ताओं को है, सरकार के विरोध में आवाज उठाने वाले विधायकों को है परन्तु खूनी, बलात्कारी भय मुक्त हैं।

पुलिस का डंडा राजनीतिक विरोधियों पर डटकर चल रहा है परन्तु चुनाव की इस बेला में जब चप्पे-चप्पे पर सुरक्षा होनी चाहिए, ऐसे समय पर जानलेवा हमले जैसी वारदात होना वर्तमान कांग्रेस सरकार का अंत आ गया है यह साबित करता है। प्रदेश में सुखिवन्द्र सिंह सुक्खू की सरकार अपना इकबाल खो चुकी है और उसे सत्ता में रहने का कोई हर नहीं है।

चियोग विद्यालय में विद्यार्थी परिषद संगठन का चयन

प्रचण्ड समय . शिमला

राजकीय उत्कृष्ट वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चियोग में शैक्षणिक सत्र 2024-2025 के दौरान विद्यालय संज्ञानात्मक गतिविधियों के सुचारू रूप से संचालन व विद्यालयों में अनशासन इत्यादि बनाए रखने के उद्देश्य से विद्यार्थी परिषद संगठन (एससीए) का गठन किया गया है । जिसमें आस्तिक वर्मा को हेड बॉय तथा आस्था चंदेल को हेड गर्ल मनोनित किया गया जबकि मिताली चंदेल को स्कूल कैप्टन, आस्था व मयंक को स्पोर्ट्स कैप्टन तथा यशस्विनी और अमन को सांस्कृतिक गतिविधियों का कप्तान चुना गया।

प्रधानाचार्य संदीप शर्मा ने नवनिर्वाचित एससीए के पदाधिकारियों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए बताया कि विद्यार्थियों में प्रतिस्पर्धा की भावना को विकसित करने के उद्देश्य से स्कूल में चार सदन बनाए गए हैं ताकि हर सदन की समय समय पर विभिन्न विषयों पर प्रतिस्पर्धा करवाई जा सके । संदीप कुमार शर्मा ने सदनों की महत्व और एससीए का उद्देश्य बारे प्रकाश डाला । उन्होने एससीए के पदाधिकारियों से विद्यालय विकास गतिविधियों में पर्ण सहयोग देने का आहवान किया । इस मौके पर विद्यालय की सभी शिक्षक और गैर शिक्षक वर्ग सहित सभी स्कूली बच्चों ने भाग लिया ।

कूफरी घाटी में बुरांस के फूलों से सराबोर -पर्यटक उठा रहे लुत्फ

जना क्षेत्र की मुडाघाट, छलंडा, कोटी और कूफरी घाटी इन दिनों बुरांस के फूलों से सराबोर है। जिसका इस क्षेत्र में आए पर्यटकों द्वारा भरपूर लुत्फ उठाया जा रहा है । बता दें इसका वैज्ञानिक नाम रहोडोडेंड्रन है। इसके पेड़ों पर मार्च-अप्रैल के महीने में लाल व गुलाबी रंग के फूल खिलते हैं। यह पौधा अधिकांश ठंडे जहां तापमान 120 डिग्री सेल्सियस रहता है और ढलान वाली जगहों में उगता है। इसके लिए अधिक पानी की आवश्यकता नहीं होती है। बुरांस समुद्र तल से 1500





स्वतः ही जंगलों में उगता है जिसके नहीं होती है। गौर रहे कि हिमाचल जाता है। शिमला, कांगडा, सोलन, देखभाल करने की कोई आवश्यकता में यह फूल भरपुर मात्रा में पाया धर्मशाला और किन्नौर में इस फूल

के रूप में किया जाता है। ग्रामीण परिवेश के लोग बुरांस के फूलों को बाजार में बेचने को भी लाते है और लोग बड़े शौक से इस फुल को औषधीय कार्य के लिए खरीदते हैं। i वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बुरांस के फूल लोगों की आय का साधन भी

आयुर्वेद चिकित्सक डाॅ० विश्वबंध जोशी का कहना है बुरांस के फूल औषधीय गुणों से भरपूर है जिसका विभिन्न दवाओं में उपयोग किया

बन गए है।

बुरांस में विटामिन ए, बी-1, बी-2, सी, ई और के प्रचुर मात्रा में पाई जाती हैं जो की वजन बढने नहीं देते और कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल रखता है।

कर देता है। कहा कि बुरांस के फूलों का शर्बत दिमाग को ठंडक देता है और एक अच्छा एंटीऑक्सीडेंट होने के कारण त्वचा रोगों से बचाता है। बुरांस के फूलों की चटनी बहुत ही स्वादिष्ट होती है जो कि लू और नकसीर से बचने का अचूक नुस्खा

क्षेत्र के वरिष्ठ नागरिक प्रीतम ठाकुर, बलोग पंचायत के विश्वानंद ठाकुर ने बताया कि वैशाख की सक्रांति को बुरांस के फूलों की माला बनाकर सबसे पहले अपने कुल देवता के मंदिर तदोपंरात अपने घरों में लगाना शुभ मानते हैं । कुछ लोग बुरांस पंखुड़ियों को सुखाकर रख लेते हैं जिसे वर्ष चटनी व अन्य खाद्य यही नहीं बुरांस अचानक से होने वस्तुओं में इस्तेमाल करते हैं।

आपदा राशि में कांग्रेस पार्टी ने की बंदरबाट : कश्यप

प्रचण्ड समय . शिमला भाजपा की पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद सुरेश कश्यप ने कोटखाई का दौरा किया विभिन्न बैठकों में भाग लेते हुए उन्होंने कहा शिमला संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत प्रधानमंत्री ग्राम सडक योजना में महत्वपूर्ण कार्य हुए जिसमें से जुब्बल कोटखाई विधानसभा क्षेत्र को 200 करोड़ प्राप्त हए। कांग्रेस भले केंद्र से भेजे गए पैसे का श्रेय लेना चाहे पर प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नहीं।

उन्होंने कहा कि आपदा के समय केंद्र ने 1800 करोड़ रुपए हिमाचल प्रदेश को भेजें पर उसमें भी कांग्रेस लिए जानी जाएगी। यह सरकार ने का काम किया। यह सरकार केवल पार्टी ने बंदर बांट का काम किया केवल एक साल में 15000 करोड खाली खजाने का रोना रोती है, पर अपने चाहितो को वह राशि प्रदान का ऋण लिया और विकास के ऊपर अपने कुप्रबंधन को नहीं दिखती।



जरूरत थी उनको 1 रु भी प्राप्त नहीं मात्र 6 सीपीएस और 7 ओएसडी हुआ, कांग्रेस सरकार भेदभाव के बनाकर अपने मित्रों को सुविधाएं देने

करी जो केंद्र से आई थी और जिनको एक भी पैसा नहीं खर्च किया, केवल

उन्होंने कहा कि इस सरकार ने एक भी प्राइमरी स्कूल खोलने का कार्य नहीं किया है। अपितु भारतीय जनता पार्टी की पिछली सरकार ने जुब्बल कोटखाई क्षेत्र में दो एसडीएम कार्यालय, एक बीडीओ दफ्तर, एक फायर सबस्टेशन, एक तहसील दी। यह सभी निर्णय ऐतिहासिक रहे पर इस बदला बदली की सरकार ने केवल पूरे प्रदेश में 1000 से अधिक सरकारी संस्था। बंद करने का कार्य किया,जो की दुर्भयपूर्ण रहा।

कश्यप ने कहा की यह सरकार केवल मात्र जनता को असुविधा देने के लिए आई है, जब यह घर घर वोट मांगने जाएंगे तो जनता इनको स्वीकार नहीं करेगी।





को अखबार के लिए प्रशिक्ष पत्रकारों



और पोर्टल के लिए प्रशिक्ष रिपोर्टरों की शिमला में जरूरत है।



संपर्क करें-70180-86211

शिमला. सोमवार, 22 अप्रैल, 2024

prachandsamay.com

हिमाचल का सबसे तेज बढ़ता अखबार

चुनाव 2024 में तकनीक का जलवा और भ्रमित दुष्परचार एवं नया नॉरेटिव साधने की कोशिश



भारत इन दिनों चुनाव के मौसम में है तथा इस चुनाव में जिस तरह से नई तकनीक तथा नई सूचना टेक्नोलॉजी अर्थात डिजिटल स्पेस के लिए विशेष ध्यान रखा जा रहा है वह है इस नई पीढ़ी के लिए अद्भुत तथा चमकने वाला है ।

यहां पर यह भी बताता बताना बेहद अनुकरणीय है कि यह है चुनाव प्रचार तथा चुनाव की नई पद्धति नई पीढ़ी को रास आ रही है परंतु अब जो विश्लेषण पहले चुनाव के दिनों का आया है जिसमें मतदान को घटना का एक कारण सिर्फ और सिर्फ सोशल मीडिया पर प्रचार को बताया गया है जो अपने आप में सत्य है।

यह भी सच है कि इस बार राजनीतिक दलों ने अपने-अपने दलों के साथ और किसी को साधने की कोशिश ही नहीं कि पहले जो जलवा घर-घर जाकर वोटरों से सीधा संपर्क करने का था।

इस बार दोनों ही बड़ी पार्टियों कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के वरकों ने निजी संवाद घर-घर संवाद करने में कोताही की और इसी कारण इस बार चुनाव प्रचार में कुछ भी नयापन देखने सकता है । भारत में चुनाव के इस दौर में पहले कि यह विश्लेषण टाइम्स पत्रिका की सर्वेक्षण पर



को नहीं मिला और लोगों की उदासीनता एवं गर्मी संस्करण में यह उतना कामियाब नहीं दिखाई दे

के मौसम में चुनाव अभियान के इतने बड़े रथ को थाम कर मतदान धीमा कर दिया एवं नतीजतन यह सामने आया कि राष्टीय चुनाव आयोग के भरसक प्रयासों के बावजूद भी इस बार वोटिंग का ट्रेंड उसे प्रतिशत को शो नहीं पाया जो पिछले चुनाव में था।

मतदान में प्रचार का धट जाना मतदान का प्रतिशत घट जाना अच्छा नहीं कहा जा रहा है जो चिंता में नहीं है।

किस तरह से नई तकनीक के द्वारा साधा जा रहा है तथा अब तो यही तक डीप फेक के जरिए भी चुनाव प्रचार होने लगा है और हिंदी भाषा में नए-नए एप्स तथा विज्ञान की तकनीक से संप्रेषण के नए साधन द्वारा वोटरों तक पहुंचना था।

नई सूचना प्रौद्योगिकी दुआरा सन्देश को संप्रेषित किया जा रहा है।

सबसे बड़ी तकनीक की आवाज का तकनीकी पहलू एक नया रुतबा है और शक्तिशाली प्रचार हो

अब समय आ गया है कि राजनीतिक दल चुनाव प्रचार की

क्वालिटी को भी दुबारा से निर्धारित करें तथा मीडिया खास डिजिटल प्लेटफार्म द्वारा जो प्रयास किए जा रहे हैं आज उसमें भ्रमित प्रचार फेक न्यूज के कारण ही राजनीतिक दलों की पहुंच को पसंद को मुश्किल किया है। यह सारे के सारे संसाधन लगाकर भी वोटरों तक अपने-अपने मैं अपने सारे संसाधन लगाकर भी उसे से सफल

नहीं हुए जिस तरह से पश्चिम में होते हैं । टाइम जैसी बड़ी पत्रिका की सर्वेक्षण में तथा भारत के समाचार पत्रों की सचनाओं का आकलन करें तो हम देख सकते हैं कि इस किसी से किस तरह की सूचनाओं ने वातावरण की परिभाषा को ब्रदल दिया है ।

टाइम पत्रिका तथा समाचार पत्रों के विश्लेषण में दैनिक भास्कर की एक रिपोर्ट में कहा गया है इसमें किस तरह से सोशल मीडिया भ्रमित कर रिसोर्सेज सेंटर ने एक जांच की थी। इसमें पता रहा है।

उनका कहना है कि बड़ी कंपनियां इस राजनीतिक तथा सामाजिक चक्रव्यूह में सबसे आगे है चुनावी दुष्प्रचार को बढ़ावा दे रहीं हैं गूगल और एक्स जैसी टेक कंपनियां।

टेक्नोलॉजी विशेषज्ञ यासमीन सेरहान का मानना है कि इस साल विश्व के करीब 65 देशों

दुनिया भर की आधी से ज्यादा आबादी इन चुनावों में मतदान करेगी। लेकिन इन चुनावों के लिए टेक्नोलॉजी कंपनियां और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सबसे बड़ा खतरा बनकर उभरे हैं। ग्लोबल कोलेशन फॉर टेक जस्टिस नामक एक संस्था ने इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ महिम छेडी है। दरअसल, इस संस्था में 55 देशों के 150 सिक्लि राइट्स ग्रुप जुड़े हैं। इस संस्था ने मेटा, गूगल और टिकटॉक जैसे बड़े प्लेटफॉम्स को संयुक्त पत्र लिखा है। संस्था ने आरोप लगाया है, 'इन टेक कंपनियों ने जनता के हितों को दरिकनार कर फेक न्यूज और दुष्प्रचार के खिलाफ कोई सख्त पॉलिसी नहीं बनाई है। इसके इतर कंपनियों ने प्लेटफॉर्म सेफ्टी में खर्च कम कर दिया है और नफरत फैलाने वाले कंटेंट से यह प्लेटफॉर्म लगातार पैसे बना रहे हैं।

इससे जनता के लोकतांत्रिक हितों पर खतरा

यह टाइम की रिपोर्ट कारी सागर तथा जिस से बात की समाचार पत्रों में आज ही में प्रकाशित किया है।

पिछले साल जुलाई में जब इस ग्रुप ने मेटा, गूगल, टिकटॉक और एक्स से पूछा कि उन्होंने चुनावों के लिए क्या खास तैयारी की है और क्या हर देश के लिए उनके पास अलग योजना है? इन प्लेटफॉर्म्स से कोई सटीक जवाब नहीं मिला। ग्रुप की कैंपेन मैनेजर मोना शताया ने बताया, 'इन टेक कंपनियों ने अलग-अलग फेसबुक, टिकटॉक ने पॉलिसी उल्लंघन करने वाले 10 विज्ञापनों को मंजूरी दी है।

केप टाउन स्थित मानवाधिकार संगठन लीगल चला कि फेसबुक, टिकटॉक और यूट्यूब ने 10 ऐसे विज्ञापनों को मंजूरी दी, जो इनकी कंपनियों की पॉलिसी का उल्लंघन कर रहे थे। इस तरह के कंटेंट अब असल जीवन में उन्माद की वजह बन रहे हैं। इसे दक्षिण अफ्रीका के उदाहरण से समझिए। दक्षिण अफ्रीका में अगले महीने चनाव होने हैं। सोशल मीडिया पर प्रवासी श्रमिकों और शरणार्थियों के खिलाफ लगातार दुष्प्रचार चल रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म कुछ नहीं कर रहे। इस साल के चुनावों को लेकर सबसे बड़ी चिंता एआई-आधारित दुष्प्रचार भी है।

स्लोवािकया-पािकस्तान के चुनावों में एआई जनरेटेड वीडियो वायरल हुए थे।

स्लोवाकिया में चुनावों में राजनीतिक डीपफेक पहले ही सामने आ चुके हैं, जहां एआई-जनरेटेड ऑडियो रिकॉर्डिंग में एक उम्मीदवार को चुनाव में धांधली के बारे में कहते सुना गया। पाकिस्तान में भी एक उम्मीदवार का वीडियो सामने आया था. जिसमें वह वोटर्स को चुनाव बहिष्कार करने के लिए प्रेरित कर रहा था। पिछले साल, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सीएनएन होस्ट एंडरसन कूपर की एआई वॉयस क्लोनिंग का उपयोग करके एक झठा वीडियो पोस्ट किया था। हाल में राष्ट्रपति बाइडन का भी एक एआई जनरेटेड वॉइस कॉल वायरल हुआ था, जिसमें वे वोटर्स को न्यू हैम्पशायर के इलेक्शन में वोट डालने से

देशों के हिसाब से योजना नहीं बनाई है। चूंकि वे अमेरिका में कानूनी और राजनीतिक रूप से जवाबदेह हैं, इसलिए वे अमेरिका में लोगों और उनके लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए कुछ सख्त कदम उठा रहे हैं।' दुष्प्रचार और फेक न्यूज को रोकने के बजाय यह टेक प्लेटफॉर्म इसके विपरीत काम कर रहे हैं। पिछले वर्ष,

मेटा, ट्विटर और यूट्यूब ने 17 ऐसी नीतियों को हटाया, जो दुष्प्रचार और फेक न्यूज के खिलाफ कदम उठाने पर केंद्रित थीं। पिछले महीने ही मेटा

ने क्राउडटैंगल नामक टूल को हटाया था, यह टूल फेक न्यूज और नफरत फैलाने वाले कंटेंट की जांच करने में कारगर था। 140 सिविल संस्थानों ने इस कदम का विरोध किया था।

इस तरह हम देख सकते कि नई पीढ़ी के लिए रचनात्मक कार्य का बाजार है और तथा अति आत्मविश्वासपूर्वक नतीजा यह निकलता है।

इस लिए तकनीकीकरण में दूसरा बड़ा खुलासा हिंदी के कंटेंट क्रिएटर से ब्लॉग राइटर का है जिसमें एक्सपर्ट राइटर फरहान फारुक कहते हैं कि हिंदी भाषा में ब्लॉग राइटिंग चलता कहानी और नाटक के बाद ऑनलाइन भाषा सीखने अपने संसाधनों से है ।

इन दिनों यह आप मीडिया को कह सकते हैं कि अब इस नई तकनीक से एआई तथा न्यूज चैनलों के अतिरिक्त टेक्नोलॉजी के इस दौर में अलग-अलग भाषाओं में आप मीडिया द्वारा चुनाव का विश्लेषण करते हुए रिपोर्ट कर सकते हैं।

यह एक नई पहचान हो सकती है परंतु वोट प्रतिशत को बढ़ाने के लिए तथा चुनाव में नई तकनीक का प्रबंध करने के लिए इसमें और भी बहुत कुछ जोड़ना होगा जो अभी बाकी है ।

देखना यह होगा कि आने वाले दिनों के में भी किस तरह से नई तकनीक इस नए प्रबंधन के आगे तथा नई सूचना तंत्र के आगे वोटो तक नया नॉरेटिव सेट हैं अथवा दुष्प्रचार का सामना करना के लिए तैयार रहते हैं।

आजकल को मीडिया प्रबंधन तथा दुष्प्रचार सोशल मीडिया तथा डिजिटल मीडिया का एक बड़ा हथियार बन गया है। जिन राजनीतिक दलों तथा उम्मीदवारों के

साथ-साथ देश की संस्कृति पर भी हमला किया जा रहा है जो अति निंदनीय तथा दुष्प्रचार होने का प्रयास हो सकता है ।

यह मीडिया तथा यह सब तकनीके रचनात्मकता के लिए और एक अच्छे समाज तथा एक अच्छे लोकतंत्र के लिए होनी चाहिए ।

आने वाले दिनों में इस पर बहस की गुंजाइश

बात एक रात को



छोटी जगह थी । होटल थे नहीं । पुराने ढरें की धर्मशालाएं थीं । कोई एक अच्छी धर्मशाला के लिये किसी को फोन लगाया और उस धर्मशाला ही कोई ग्रामीण अपने दो बच्चों और

यहां ले आऊं ! हम प्राइवेसी के चक्कर में कन्नी काट गये

। कलर चलाया और बिस्तर पर आराम करने लगे । उसके दो छोटे छोटे बच्चे बिस्तरों को बहुत उम्मीद से ताकते रहे कि शायद उनके नसीब की ओर चल दिये । वहां पहले से में भी हों ! हमने आंखें ही चुरा लीं !

आखिर केयर टेकर ने उस पत्नी के लिये जगह तलाश रहा था। ग्रामीण को गद्दे दे दिये और बाहर हमारे लिये कमरा खुला । उसमें बड़े आंगन में बिछा कर वह परिवार छह बैड लगे थे। हम तीन थे। वह लेट गया। बाहर गर्मी तो नहीं थी ग्रामीण मेरी ओर आस भरी नजरों से लेकिन मच्छर जरूर थे । ज्यों ज्यों

रही । सामने वे बच्चे दिखाई दे रहे थे और उन मासुमों पर मच्छरों का

आखिर रहा नहीं गया । सहा नहीं गया । देखा नहीं गया ।

मैं उस ग्रामीण के पास गया और कहा कि बच्चों को अंदर बैड पर

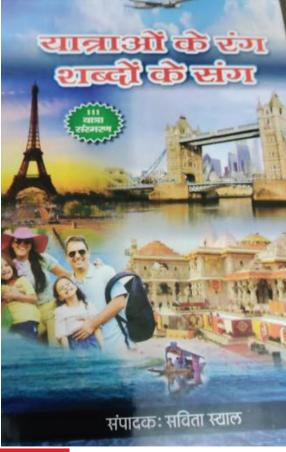
रात के अंधेरे में भी उसकी कृतज्ञ आखें देख मुझे जैसे दुनिया का खजाना मिल गया !

9416047075

शाब्दिक यात्रायें करवाता और ज़िंदगी की एकरसता को दूर करता यात्रा संकलन



इधर गुरुग्राम की रचनाकार सविता स्याल के संपादन में '111 यात्रा संस्मरण' संकलन प्रकाशित हुआ है । यह सविता स्याल के संपादन में 'दोस्ती' संकलन के बाद दूसरा संकलन है। गुरुग्राम में ही तब भी भव्य विमोचन समारोह आयोजित किया गया था और इस बार भी ऐसा ही विमोचन समारोह कल गुरुग्राम के सेक्टर चौदह स्थित गवर्नमेंट गर्ल्ज कॉलेज में आयोजित किया । इसमें इस संकलन को प्रकाशित करने का उद्देश्य स्पष्ट करते संपादिका सविता स्याल ने कहा कि यात्रायें निश्चय ही हमारे जीवन की एकरसता तोड़ती हैं और मनोरौजन के साथ साथ ज्ञान और नये नये अनुभव भी देती हैं लेकिन बहुत से लोग चाह कर भी शारीरिक अस्वस्थता, जीवन की आपाधापी में यात्रायें नहीं कर पाते, इसलिए शाब्दिक यात्रायें करवाने के उद्देश्य से यह यात्रा संकलन प्रकाशित व संपादित करने का निश्चय किया और देखते देखते इतना सहयोग मिला कि 111 यात्रा संस्मरण के रूप में यह पुस्तक आज आपके हाथों में सौंप रही हूँ । इसमें देश से ही नहीं, विदेश से भी यात्रा संस्मरण मिले हैं । इसका आयोजन 'स्वर



प्रचण्ड समय

गवर्नमेंट गर्ल्ज कॉलेज की

लहरी मंच' व

ओर से संयुक्त रूप से किया गया। मंच पर आसीन व कॉलेज के साहित्य समाज को राह दिखाता है और यह संस्मरण लेखनी की यात्रा है और मेरी दुआ है कि यह यात्रा जारी रहे । इसी प्रकार फरीदाबाद से अध्यक्ष मुकेश गंभीर व कॉलेज की आईं विशिष्ठ अतिथि श्रीमती दुर्गा वाइस प्रिंसिपल पुष्पा आंतिल ने सिन्हा ने कहा कि अपनी किताब भी संकलन को विशिष्ट संकलन

निकालना आसान होता है जबकि संकलन संपादित करना बहुत मुश्किल ! सविता स्याल ने यही मुश्किल काम किया है और बहुत खुबसूरती से किया है। प्रो मोहन प्रिंसिपल जितेंद्र मिलक ने कहा कि मनीषी ने भी संकलन में शामिल यात्रा संस्मरणों की सराहना की, वहीं यायावर राहुल सांकृत्यायन को भी स्मरण किया। समारोह के

बताया। मुकेश गंभीर, डॉ दुर्गा सिन्हा व मोहन मनीषी ने कविताओं का पाठ भी किया जाता ।

संकलन में प्रकाशित यात्रा वत्तांत व यात्रा संस्मरण के प्रथम रहे रचनाकारों के साथ साथ सभी संकलित व कार्यक्रम में आये रचनाकारों को संकलन की प्रतियां बड़े सम्मान के साथ प्रदान की गयीं

इस आयोजन में शकुंतला मित्तल, अंज् खरबंदा, चित्रा गुप्ता(सिंगापुर), मीनाक्षी भसीन. सुदर्शन रत्नाकर, इंदुराज निगम, राजेन्द्र निगम, सरोज गुप्ता, कृष्ण लता यादव, हरेंद्र यादव, रिंम, नीलम भारती, अर्चना पांडेय, प्रीति मिश्रा, माधुरी मिश्रा, संतोष बंसल, नलिनी भार्गव, दीपशिखा तिवारी, अशोक कौशिक, डॉ मुक्ता, शांति कुमार स्याल, सविता चड्डा, सुदेश वीर, वीणा अग्रवाल, सुजीत कुमार, सुधा चौहान, शुभ तनेजा, सरिता शर्मा, हरीश कुमार, शारदा आदि अनेक रचनाकार मौजूद रहे, जिनकी मौजूदगी ने समारोह को भव्य व गरिमापूर्ण बनाया। बबिता गर्ग 'सहर' ने शानदार, सहज और बढ़िया मंच संचालन किया।

समारोह में अनेक रचनकारों का पहली पहली बार परिचय भी हुआ,यह एक प्रकार से मिलन समारोह भी बन गया। कार्यक्रम के लिए सविता स्याल, श्री स्याल और इनकी बेटी सहित सभी शामिल रचनाकारों को बधाई ।

हां, एक बात जरूर कहना चाहुंगा कि यात्रा संस्मरण या यात्रा वृत्तांत के लिए मात्र तीन पृष्ठ की सीमा बहुत कम रही, थोड़ी ज्यादा होती तो इतने कट न लगाने पड़ते। यह बात मात्र एक पाठक के नर्जारये

राष्ट्रपति अर्दोआन, क्या हुई बात

ग़जा में हमास के ख़िलाफ़ इसराइल के हमलों के बीच तुर्की के राष्ट्रपति रेचेप तैय्यप अर्दोआन ने फ़लस्तिनियों से अपील की है कि

की राजनीतिक विंग के प्रमुख इसराइल कात्ज ने इस मुलाकात की निंदा की है और इसे लेकर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

उन्होंने दोनों नेताओं की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की और लिखा कि अर्दोआन को शर्म आनी चाहिए।

लंबे वक्त से हमास और इस्माइल हानिया के साथ तुर्की सरकार के अच्छे संबंध रहे हैं।

दो दिन पहले हमास और इसराइल के बीच बातचीत में मध्यस्थता कर रहे क़तर ने कहा था कि वो इसमें अपनी भूमिका को लेकर फिर से विचार कर रहा है।

इस्माइल हानिया के तुर्की जाने से अब ये कयास लगाए जा रहे हैं कि तुर्की दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता कर सकता है।

इस्तांबुल में हानिया

शनिवार को अर्दोआन के दफ्तर ने ये ख़बर दी कि इस्माइल हानिया और उनके बीच हुई मुलाक़ात राजधानी इस्तांबुल में हमास कई घंटों तक चली जिसके बाद अर्दोआन ने कहा कि मौजूदा दौर गया बोस्फोरस की खाडी के पास दोलाम्बाचे पैलेस में दोनों नेताओं के बीच क़रीब ढाई घंटे तक बातचीत हुई। इसके बाद जारी बयान में कहा गया कि इसराइल को जवाब और जीत के लिए फलस्तीनियों को एकता और अखंडता दिखानी होगी।

समाचार एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार ग़जा पर इसराइल के हमले के बाद इस्माइल हानिया और अर्दोआन की ये पहली मुलाक़ात है। इससे पहले हानिया ने दोहा में इसराइली विदेश मंत्री से मुलाक़ात की थी। समाचार एजेंसी एएफपी के अनुसार इसराइल-ग़जा युद्ध अब नए दौर में प्रवेश कर रहा है और

और हमले करने के लिए कमर कस

नए इलाक़े में फैल सकता है।

हमास प्रमुख से मिले तुर्की के

ईरान पर भी उसने जवाबी हमला किया है। अर्दोआन इस मामले में मध्यस्थता नहीं कर बनाना है। सके थे। इसराइल-हमास युद्ध के दायरे में मध्य पूर्व के आने की इस्माइल हानिया के साथ कई घंटों में फ़लस्तीनियों का 'एकजुटे' होना कि ईरान और इसराइल के बीच जो की बातचीत के बाद उन्होंने ये बेहद जरूरी है। राष्ट्रपति कार्यालय हुआ उसके बाद "इसराइल को इस बात कही। इसराइली विदेश मंत्री की तरफ से जारी बयान में कहा इलाक़े में पैर पसारने की इजाजत है कि ध्यान ग़जा पर रहे।'

इसराइल ने क्या दी प्रतिक्रिया?

इसराइली विदेश मंत्री इसराइल कात्ज ने अर्दोआन और हानिया के बीच हुई मुलाक़ात की निंदा की है।

उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "मुस्लिम ब्रदरहुड का गठबंधनः बलात्कार, हत्या. शवों को क्षत-विक्षत करना और बच्चों को जलाना। अर्दोआन आपको शर्म आनी चाहिए।"

हमास 1987 में उस वक्त अस्तित्व में आया था जब मुस्लिम ब्रदरहुड के सदस्यों ने इसे एक एक तरफ इसराइल, ग़जा पर फ़लस्तिनीयों के हक़ों के लिए लड़ने वाले संगठन के तौर पर बनाया था।

प्रचण्ड इसराइल की जगह पर

एक फ़लस्तीनी राष्ट्र

अन्य यूरोपीय देश हमास को एक आतंकवादी गृट मानते हैं। हमास का प्रतिद्वंद्वी फ़तेह नाम का गुट वेस्ट बैंक के फ़लस्तीनी इलाक़ों में शासन करता है।

इसराइल कात्ज के पस्टि क उत्तर तुर्की के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ओन्कु कसिली ने दिया।

उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, "इसराइली विदेश के एक सोशल मीडिया पोस्ट के संबंध में- ये इसराइली अधिकारी हैं जिन्हें शर्म आनी चाहिए। उन्होंने लगभग 35,000 फ़लस्तीनियों की हत्या की है, जिनमें से अधिकांश महिलाएं और बच्चे हैं।"

"एजेंडा बदलने की इसराइली सरकार के अधिकारियों की कोशिशों बेनतीजा रहेगी। तुर्किये की प्राथमिकता ग़जा में हो रहा जनसंहार ख़त्म करना और इस इलाक़े में स्थायी शांति सनिश्चित करने के लिए फ़लस्तीनी राज्य की स्थापना करना है।" – साभार, बीबीसी

कैसी कैसी नाराजियां और शिकियतें



चुनाव में कैसी कैसी नाराजगियां

झेलनी पडती हैं। अभी देखिए न कैसे हमारे दाढी वाले बाबा यानी पूर्व मंत्री अनिल विज अपनी ही पार्टी से कितने नाराज हैं और नाराजगी छिपाने की कोई कोशिश भी नहीं कर रहे । उनकी नाराजगी है कि पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने उन्हें कुछ नहीं बताया । इतना ही कहा कि इस्तीफा देना है और यूटी गेस्ट हाउस में भी कुछ नहीं बताया । इसलिए मैं बैठक से बाहर निकल आया। इसके बाद से इतने नाराज हैं जान गया हूँ और अब अपने चुनाव क्षेत्र तक ही सीमित रहुंगा । कहीं भी, किसी भी दसरी जगह चुनाव ब्रिज करने नहीं जाऊंगा !

चलिए दाढ़ी वाले बाबा ने दिल की बात होंठों पर लाकर सच तो बता दिया ऐसे लोग बहुत अच्छे लगते हैं। एक अपने आदमपुर वाले चौ भजनलाल के वारिस हैं और पूर्व सांसद भी यानी कुलदीप बिश्नोई, वे भाजपा प्रत्याशी चौ रणजीत चौटाला के आदमपुर चुनाव प्रचार के दौरान कहीं नजर नहीं आये !

यही नहीं उनके बेटे भव्य बिश्नोई, जो आदमपुर से अब विधायक हैं, वह भी प्रचार से दूर ही

रहे जबकि इनकी ओर से कहा गया कि हमसे बिना विचार विमर्श किये आदमपुर में चुनाव प्रचार कार्यक्रम रख लिये गये । इसमे हम क्या कर सकते हैं ! वैसे भव्य बिश्नोई के चुनाव के समय रात दिन एक कर चौ रणजीत चौटाला ने प्रचार किया था और अब अपनी बारी आने पर ऐसा लगता है कि तालमेल की कमी कि कह रहे हैं कि मैं अपनी औकात बता कर किनारा कर लिया ! यह

बिश्नोई हिसार लोकसभा क्षेत्र से टिकट मिली रणजीत चौटाला को ? इसी तरह कैप्टन अभिमन्यू भी हिसार लोकसभा क्षेत्र से भाजपा टिकट चाहते थे लेकिन वे भी खाली हाथ रह गये और अभी तक चौ रणजीत चौटाला के प्रचार में नहीं दिखे ! ऐसी नाराजगी देखी नहीं कभी !

> तभी तो हरियाणा में मजेदार कहावत है कि ब्याह में फूफा तो रूठेगा ही रूठेगा! अब पता नहीं कौन कौन से फुफा, कहां, कहां रूठेंगे!

वैसे चौ रणजीत चौटाला ने भव्य बिश्नोई के प्रचार में साथ न आने पर कहा कि कोई साथ न दे तो मै भी साथ नहीं देता पर आप तो आदमपुर उपचुनाव में साथ दे चुके, आपको वापस खाली हाथ रहना पड़ा ! यह अलग बात है ।

मथुरा में अभिनेत्री हेमामालिनी तीसरी बार चुनाव मैदान में हैं और अपनी मां का साथ देने दोनों बेटियां

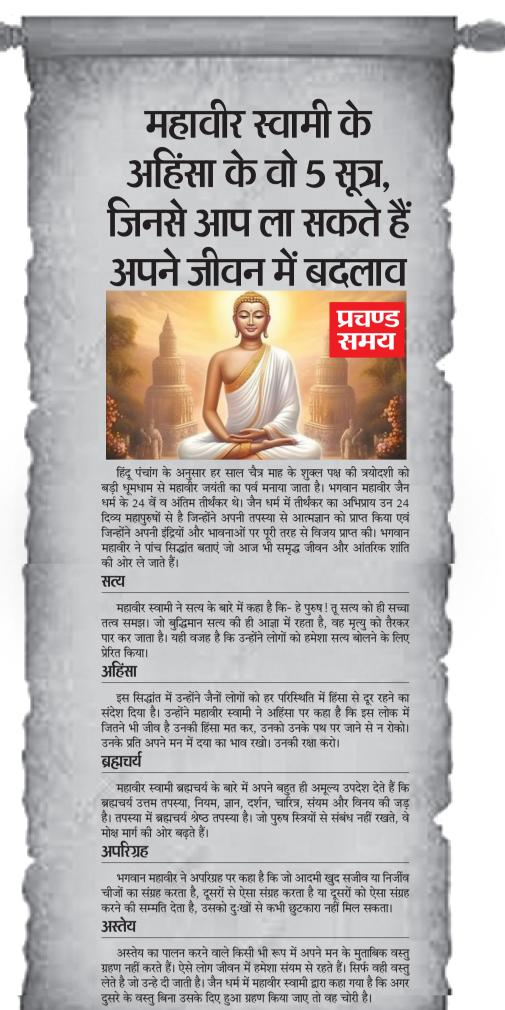
तो सब जानते हैं कि खुद कुलदीप मंदिरों में शीश भी झुकाये । सिरसा भाजपा टिकट के दावेदार थे लेकिन से भाजपा प्रत्याशी अशोक तंवर की निर्वाचन आयोग से शिकायत और ऐसे में तालमेल हो तो कैसे हो की गयी है कि उन्होंने धर्म के सहारे चुनाव प्रचार किया । रणदीप सुरजेवाला को निर्वाचन आयोग ने दो दिन प्रचार करने से रोक दियादिया, जो उन्होंने हेमामालिनी पर अभद्र टिप्पणी की थी । दूसरी ओर हरियाणा महिला आयोग भी जवाब मांग रहा है और रणदीप सुरजेवाला भी वकील हैं और वे पूछ रहे हैं कि एक ही कसूर की दो दो सजायें कैसे? कंगना रानौत पर भी हमीरपुर यूथ क्लब के नाम से कोई आपत्तिजनक पोस्ट डाली गयी है, जिसकी शिकायत भी दिल्ली पहुंचा दी गयी है । इस तरह निर्वाचन आयोग का काम बढ़ता जा रहा है और फूफाओं को मनाने का काम भी बढ़ता जा रहा है!

मर्ज्ञ बढंता गया ज्यों ज्यों दवा की...

अकादमी। 9416047075

-पूर्व उपाध्यक्ष, हरियाणा ग्रंथ





पूरी कराना चाहते हैं मनचाही ख्वाहिश? तो हनुमान जयंती पर बजरंगबली को जरूर चढ़ाएं ये चीजें



हिंदू धर्म में हनुमान जी की पूजा का विशेष हनुमान जयंती पर हनुमान महत्व है। हनुमान जयंती का पर्व बड़े धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस साल हनुमान जयंती मंगलवार के दिन पड़ रही है, इसलिए यह दिन और भी खास होने वाला है। हनुमान जयंती के दिन अगर आप बजरंगबली की पूजा करने के साथ शनि देव की भी आराधना करते हैं, तो इससे आपको शुभ फलों की प्राप्ति होती है। ऐसे में अगर आप हनुमान जयंती के दिन बजरंगबली की पूजा के दौरान उन्हें कुछ खास चीजें अर्पित करते हैं, तो इससे आपके ऊपर पवनपुत्र हनुमान जी की विशेष कृपा बनी रहेगी और आपके बिगड़े काम बनने लगेंगे।

हनुमान जंयती शुभ मुहुर्त

पंचांग के अनुसार चैत्र माह की पूर्णिमा तिथि गुरू होगी और इस तिथि का समापन 24 साथ ही आप बजरंगबली को अप्रैल 2024 को सुबह 5 बजकर 18 मिनट पर का बीड़ा भी अर्पित कर सकते हैं। होगा। ऐसे में हनुमान जयंती का पर्व 23 अप्रैल, हनुमान जी को कौन सा फूल चढ़ाएं? मंगलवार के दिन मनाया जाएगा।

जी को क्या चढाएं?

ऐसा माना जाता है कि अगर सिंदूर और चोला चढ़ाते हैं तो इससे आपके रुके हुए काम बनने लग सकते हैं। इसके साथ ही जरूरी कामों को पूरा करने के लिए हनुमान जयंती पर हनुमान जी को पीपल के पत्तों पर राम नाम लिखकर भी चढ़ा सकते हैं।

हनुमान जयंती पर क्या प्रसाद चढाएं?

दौरान उन्हें लड्ड, पंचमेवा, जलेबी या इमरती और आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होती है और इससे बुंदी को भोग के रूप में अर्पित कर सकते हैं। ये घर में शुभता बनी रहती है। हनुमान जयंती पर 23 अप्रैल, 2024 को सुबह 3 बजकर 25 मिनट 🛮 सभी चीजें हनुमान जी को प्रिय मानी गई हैं। इसके 🖯 अन्न दान बड़ा फलदायक माना जाता है। इस दिन

हनुमान जी को लाल रंग प्रिय माना गया है, इसलिए पूजा के दौरान लाल रंग के फूल हनुमान जी को आप अर्पित कर सकते हैं। इसके लिए आप गेंदे के फूल

आप हनुमान जयंती के दिन बजरंगबली को घी, या उनसे बनी फूल माला हनुमान जी को चढ़ा सकते हैं। इसके साथ ही हनुमान जयंती के दिन गुलाब के फूल या लाल गड़हल के फूल अर्पित करके भी आप बजरंगबली की कृपा की प्राप्त कर सकते हैं।

हनुमान जयंती पर क्या दान करना चाहिए?

हनुमान जयंती के दिन हल्दी के दान करना हनुमान जयंती पर हनुमान जी की पूजा के अच्छा माना जाता है। हल्दी का दान करने से अनाज का दान करने से घर में कभी पैसं की कमी नहीं होती है और साथ ही आय के नए स्रोत खुलते हैं। इसके साथ ही इस दिन अनाज का दान करने से मां अन्नपर्णा प्रसन्न होती हैं।

अक्षय तृतीया व्रत की कैसे हुई शुरुआत, जानें इससे जुड़ी पौराणिक घटनाएं.

इस बार अक्षय तृतीया 10 मई 2024 को मनाई जाएगी। अक्षय तृतीया को कुछ स्थानों पर आखा तीज के नाम से भी जाना जाता है यह वैशाख माह के शुक्ल पक्ष में आती है। धर्म ग्रंथों में इस तिथि को बहुत शुभ फलदायी बताया गया है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार अक्षय तृतीया के दिन शुभ मुहूर्त में मां लक्ष्मी की पूजा करने और सोने की खरीदारी करने से घर में धन-धान्य की कमी नहीं होती है।

अक्षय तृतीया के व्रत से जुड़ी पौराणिक घटनाएं

मान्यता है कि अक्षय तृतीया के दिन ही सतयुग और त्रेतायुग की शुरुआत हुई थी। इसके साथ ही द्वापर युग का समापन भी इस दिन हुआ था।

इस दिन भगवान नर-नारायण सहित परशुराम और हयग्रीव ने अवतार लिया था। इस दिन बद्रीनाथ के कपाट खुलते हैं और जगन्नाथ भगवान के सभी रथों को बनाने का कार्य शुरू होता है।

इसी दिन मां गंगा का भी धरती पर

भगवान श्रीकृष्ण ने इसी दिन युधिष्ठिर को बताया था कि आज के दिन तुम जो भी रचनात्मक या सांसारिक कार्य करोगे तुम्हें उसका पुण्य प्राप्त होगा।

अक्षय तृतीया के दिन ही वेदव्यास और



भगवान गणेश ने महाभारत ग्रंथ लिखने की शुरुआत की थी और आदि शंकराचार्य ने कनकधारा स्रोत की रचना की थी।

अक्षय तृतीया के दिन ब्रह्मा जी के पुत्र अक्षय कुमार का जन्म हुआ थाँ साथ ही इसी दिन कुबेर को खजाना भी मिला था।

अक्षय तृतीया के दिन ही महाभारत का युद्ध भी समाप्त हुआ था।

अक्षय तृतीया व्रत के नियम

इस दिन व्रत करने के लिए प्रातः काल स्नान करने के बाद पीले वस्त्र धारण करने चाहिए। घर में विष्णु जी की मूर्ति को गंगाजल से स्नान कराएं और तुलसी, पीले फूलों की माला या सिर्फ पीले फूल चढ़ाएं। इसके बाद धूप और घी की बत्ती का दीपक जलाकर पीले आसन पर बैठ जाएं। आगे विष्णु सहस्रनाम, विष्णु चालीसा जैसे विष्णु से संबंधित ग्रंथों का पाठ करें।अंत में विष्णु जी की आरती गाएं। इसके बाद सभी में प्रसाद बांटकर स्वयं भी खाएं।

शिमला, सोमवार, २२ अप्रैल, २०२४

prachandsamay.com

न्यूज ब्रीफ..

सोलन ज़िला में चुनाव कर्मियों के लिए 25 अप्रैल से शुरू होंगे रिहर्सल कार्यक्रम

सोलन . जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने बताया कि लोकसभा चुनाव-2024 के दृष्टिगत चुनाव कर्मियों के लिए जिला के पांचों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 25 अप्रैल, 2024 से रिहर्सल कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। यह रिहर्सल विभिन्न चरणों में आयोजित की जाएंगी। मनमोहन शर्मा ने बताया कि 50-अर्की विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में पहले चरण में पीठासीन अधिकारियों और सहायक पीठासीन अधिकारियों की रिहर्सल 26 अप्रैल, 2024 को चौगान मैदान अर्की में होगी। दूसरे चरण में 22 मई, 2024 को पीठासीन अधिकारियों और सहायक पीठासीन अधिकारियों और 23 मई. 2024 को मतदान अधिकारियों की रिहर्सल चौगान मैदान अर्की में तथा तीसरे चरण में सभी मतदान कर्मियों की रिहर्सल 29 मई, 2024 को चौगान मैदान अर्की में ही आयोजित होगी। उन्होंने बताया कि 51-नालागढ़ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में सभी मतदान कर्मियों की रिहर्सल पहले चरण में 27 अप्रैल, 2024 को, दूसरे चरण में 22 मई, 2024 को तथा तीसरे चरण में 29 मई, 2024 को राजकीय महाविद्यालय नालागढ़ में होगी। उन्होंने बताया कि 53-सोलन विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में पहले चरण में पीठासीन अधिकारियों और सहायक पीठासीन अधिकारियों की रिहर्सल 25 अप्रैल, 2024 को और मतदान अधिकारियों की रिहर्सल 26 अप्रैल, 2024 को डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय नौणी के एल.एस. नेगी सभागार में होगी। दूसरे चरण में सभी मतदान कर्मियों की रिहर्सल 22 मई व तीसरे चरण में 29 मई, 2024 को डॉ. वाई.एस. परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय नौणी के एल.एस. नेगी सभागार में होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 54-कसौली विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में पहले चरण में पीठासीन अधिकारियों और सहायक पीठासीन

रोहतक,अंबाला,हिसार और सिरसा के तय नाम भी घोषित नहीं कर पा रही कांग्रेस राजेंद्र सिंह जादौन, चंडीगढ़ . हरियाणा में

अधिकारियों की रिहर्सल 25 अप्रैल, 2024 और मतदान अधिकारियों

की रिहर्सल 26 अप्रैल, 2024 को केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान कसौली

के सभागार में आयोजित होगी। दूसरे चरण में पीठासीन अधिकारियों

तथा मतदान अधिकारियों की रिहर्सल 23 मई, 2024 को और तीसरे

चरण में सभी मतदान कर्मियों की रिहर्सल 29 मई, 2024 को केन्द्रीय

और सहायक पीठासीन अधिकारियों की रिहर्सल 22 मई, 2024

अनुसंधान संस्थान कसौली के सभागार में आयोजित होगी।

कांग्रेस भले ही चुनावी माहौल अपने पक्ष में होने का दावा कर रही है लेकिन लोकसभा चुनाव प्रत्याशी चयन को लेकर उसकी उलझने खत्म होने का नाम नहीं ले रही है।नौ सीटो के प्रत्याशियों के चयन के लिए बनाए गर पैनल में चार सीटो के लिए एक एक नाम ही रखा गया है लेकिन इन चार सीटो का

फैसला भी नहीं किया जा रहा। गुत्थी इतनी उलझी हुई है कि प्रत्याशियों के पैनल केंद्रीय चुनाव समिति से सब कमेटी और फिर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और फिर केंद्रीय चुनाव समिति की ओर ठेले जा रहे है।उधर भाजपा प्रदेश की सभी दस लोकसभा सीटो पर उम्मीदवार घोषित कर धुंआधार

कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल, मधुसूदन मिस्त्री और सलमान खुर्शीद के नेतृत्व वाली कमेटी ने शनिवार को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल्लिकार्जुन खरगे को अपनी रिपोर्ट सौंप दी थी। अब बताया जा रहा है कि पार्टी अध्यक्ष केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में उम्मीदवारों की रिपोर्ट रख सकते हैं। कमेटी ने रिपोर्ट तैयार करने से पहले राज्य के सभी वरिष्ठ नेताओं से विचार-विमर्श किया है। बताया जा रहा है कि अगले दो दिन में कांग्रेस के उम्मीदवारों के नाम फाइनल कर दिए

कांग्रेस सूत्रों ने बताया है कि रिपोर्ट में कुछ सीटों पर एक-एक उम्मीदवार का नाम दिया गया है, वहीं कुछ पर दो-दो उम्मीदवारों के नाम रखे गए हैं। फिलहाल चार सीटों पर नाम तय बताए जा रहे हैं. जिनमें सिरसा से कुमारी सैलजा, हिसार से बुजेंद्र सिंह, रोहतक से दापद्र हुड्डा आर अबाला स वरुण चाधरा का नाम लगभग तय है। बाका सीटों पर पेच फंसा हुआ है। अब इन सीटों पर पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति नाम तय करेगी। दरअसल, हरियाणा कांग्रेस में गुटबाजी की वजह से उम्मीदवारों के नाम तय नहीं हो पाए हैं। हुड्डा व एसआरके गुट अपने-अपने चहेतों के नाम आगे बढाने में लगे हैं।

हरियाणा में चुनाव के लिए पहुंची केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 15 कम्पनियां

राजेंद्र सिंह जादौन, चंडीगढ़ . हरियाणा के पचण्ड मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल ने समय कहा कि निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव करवाना ही चुनाव आयोग की प्राथमिकता है। इसके मद्देनजर, राज्य में भयमुक्त व शांतिपूर्ण तरीके से मतदान सुनिश्चित करने के लिए हरियाणा पुलिस के साथ-साथ केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की कंपनियों को भी मुस्तैदी से तैनात किया जा रहा है। अब तक केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 15 कम्पनियां पहुंच चुकी हैं।

अग्रवाल चुनाव प्रबन्धों को लेकर विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोक सभा-2024 चुनाव केवल चुनाव ही नहीं, बल्कि यह 'चुनाव का पर्व-देश का गर्व' है। उन्होंने कहा कि इस पर्व को हर्ष, शांति, भाईचारे के साथ मनाना राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालयों की तो जिम्मेदारी है ही बल्कि हर नागरिक का मौलिक अधिकार भी है। बैठक में इस बात की जानकारी भी दी गई कि अम्बाला, हिसार, सिरसा, रोहतक लोक सभा क्षेत्र के लिए केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सी.आर.पी.एफ.) की दो-दो कम्पनियां तैनात की जाएंगी। इसी प्रकार, सोनीपत लोक सभा क्षेत्र में भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आई.टी.बी. पी) की दो कम्पनियां तथा कुरुक्षेत्र, करनाल, भिवानी-महेन्द्रगढ़, गुड़गांव व फरीदाबाद लोक सभा क्षेत्रों में भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आई.टी.बी.पी) की एक-एक कम्पनी तैनात की जाएंगी।बैठक में जानकारी दी गई कि केन्द्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की कम्पनियां का ठहराव जिला मुख्यालयों पर रहेगा।

क्या हिमाचल की बेटी को न्याय भी मिलेगा?

ड़की होना ही पहाड़ सा होने से कम नहीं, कहीं ऊंची बर्फीली चोटियां, कहीं खड्ड नाले, तलहटी, समतल खेत, झरने, बेल बूटे, पत्थर चट्टानें और भी न जाने बहुत कुछ, खूब फबता है प्यार दुलार, अपनापन, किसी अजनबी जगह पर, किसी वीरान सड़क, बस अड्डे, खेत खिलहान के पास से गुजरते हुए जब कोई अपने गांव का भले ही कहीं दूर पार का ही सही, कोई मिल जाता है तो मन संतुष्ट हो जाता है। इस वीराने में भी कोई अपना तो है, मेरे गांव का, आस-पड़ोस का अपनापन लगता उसके साथ चलने में, न कोई डर, न कोई परेशानी और रास्ता भी कट जाए हंसते, खेलते, बतियाते हुए और कई खट्टी मीठी यादें साथ जुड़ जाती है।

कहते हैं कि अब जमाना बदल गया है। हम बहुत तरक्की कर चुके हैं। हमने बहुत विकास कर लिया है। नदी नालों पर पुल, बांध बना लिए। चौडी-चौड़ी सड़कें, पक्के आलीशान घर और घर आंगन में खड़ी कार, पब्लिक कान्वेंट स्कूल में टाई लगाकर पढ़ते दुधमुंहें बच्चे, बच्चों को पढ़ाने के बहाने शहर में रहती बहू बेटियाँ। अब हमने सुविधाओं के नाम पर शिक्षा और स्वास्थ्य के लिए भी कुछ भवन तैयार कर लिए हैं लेकिन क्या इतना सब कुछ काफी है जीवन में कुछ खुशियों के लिए या इससे बढ़कर कुछ और भी चाहिए जो शायद हम कहीं बहुत पीछे छोड़ आए हैं, कहीं रास्ते में भूल गए हैं।

कभी-कभार जब पिछली याद आती है तो बस ख्वाबों में ही बातें होती है। हकीकत में कुछ भी अपना नजर नहीं आता। कई बार तो अपना भी अजनबी सा लगने लगता है। साथ चलते हुए भाई, मित्र, अंकल आंटी से डर सा लगने लगता है। असुरक्षा महसूस होती है। न जाने कब, कहां, क्या हादसा हो जाए? क्या पता कौन कैसा है? हर किसी



कौन कैसा है। ऐसे में भी जीने की कसक कभी खत्म नहीं होती। हां, कभी कभार कोई दो जवां दिलों में प्यार मोहब्बत की बात हो जाती तो कई प्यार के गीत बन जाते। मेले त्योहारों में सब मिलकर उन्हीं गीतों को गाते, खूब नाचते खुशियां मनाते, कोई छुटपुट प्यार मोहब्बत इकरार तकरार की घटना घट भी जाती है

जो देर तक नहीं भूलती। अब हम गर्लफ्रेंड बॉयफ्रेंड बनकर रहते हैं। बड़े शहरों में तो लिव इन रिलेशनशिप भी एक फैशन हो गया है। हम क्यों पीछे रहें, अब तो पहाड़ों में भी रात को दिन ही रहता है। बस अड्डे पर दिन रात सब एक जैसा, अगर कोई हादसा हो जाए तो दिन में भी रात जैसा सुनसान गमगीन माहौल होने में देर नहीं लगती।

बस, घटना को भोगने वाला, देखने वाला सुनने वाला जब तक कुछ समझने की कोशिश करता है तब तक काफी देर हो चुकी होती है पुलिस तो आदतन वैसे भी बहुत बाद में पहुंचती है और कहीं पहुंच भी जाए तो पुलिस का तो अपना अलग ही रौब रहता है। उन्हें कानून की चिंता होती है किसी की संवेदनाओं, इज्जत आबरू से उन्हें क्या लेना, उन्हें तो बस अपना काम करना होता है।

एक तरफ पहाड़ जैसा जीवन कठिन, रुखा, बेदर्द, कठोर, और संवेदनाहीन। पहले तो पहाड़ ऐसे न थे, न जाने किसकी नजर लग गई कि धौलाधार और शिवालिक की पहाड़ियों की तलहटी में बसे लोग इतने कठोर और आक्रामक होने लगे हैं कि नवरात्रि में कन्याओं के पांव धुलवाने के बाद कुछ एक मनचले हाथ में दराट लिए अधिखली नन्हीं कलियों को मसलने के लिए निकल पड़ते हैं।

ऐसा ही एक हादसा पालमपुर के बस अड्डे खुलेआम, दिनदहाड़े एक युवक ने सरेआम लड़की पर दराट से हमला बोला और उस लड़की को काफी गहरी चोटें लगीं। प्रत्यक्षदर्शी कुछ युवकों ने हिम्मत करके उस हमलावर युवक को दबोच लिया। उसके हाथ से दराट भी छीन ली और उस घायल लड़की को अपने स्कूटर पर बिठाकर टांडा अस्पताल का दर्दनाक वीडियो वायरल होने लगा। कुछ ऐसे लोग जिनके मन में अभी इंसानियत जिंदा है, उस घायल लड़की के जीवन की रक्षा के लिए दुआएं मांगने लगे। उधर जनसेवक चुनाव की सरगर्मियों में सुर्खियां बटोरने में लगे हैं। इस दुखद अमानवीय और

दहशत फैलाने वाली घटना के कई रूप सामने आए जो समाज की नींद उडाने के लिए काफी हैं। यहां कानून व्यवस्था का कोई डर फिक्र नहीं है । एक लड़का खुलेआम दराट हाथ में लेकर बस अड्डे पर घूम रहा है, एक लड़की की तलाश में और जैसे ही वह लड़की उसके सामने आती है, वह दराट की तेज धार से उस निहत्थी, बेबस लड़की पर जानलेवा हमला कर देता है। लड़की बीच बचाव करने का प्रयास करती है परंतु वह अपने बचाव में कुछ नहीं कर पाती, अबला जो ठहरी, अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने की कोशिश करती लड़की और मौका मिलते ही लड़के ने तेज धार वाले हथियार से लड़की पर हमला बोला और उसे काटने की कोशिश की, एकदम हल्ला मच गया कुछ लड़कों ने जब उसे लड़की को मारते काटते देखा तो उनसे रहा नही गया उन्होंने लड़की की सहायता करने के लिए हमलावर युवक को दबोच लिया।

शायद अब समाज भी कुछ-कुछ बदलने लगा है। कुछ लोग तमाशबीन बन जाते हैं. आदतन वीडियो बनाने में माहिर होते हैं। उसी क्षण कुछ युवक ने हिम्मत करके हमलावर युवक को पकड़ा उसकी पिटाई की और लड़की की जान बचाने में कामयाब हो गए हैं। उसे अस्पताल पहुंचने में कामयाब हो गए, सोशल मीडिया पर इस घटना की वीडियो एकदम वायरल

ईश्वर कृपा करें और वह घायल लड़की बच जाए। लेकिन क्या जिंदा रहने पर वह इस हादसे को भूल को याद करके पल-पल तड़पने के लिए मजबूर होकर जीने के लिए भी बेबस हो जाएगी। क्या कानून केवल मीडिया में कुछ शब्द कहकर पल्ला झाड़ लेगा हमेशा की तरह या उसके जख्मों पर मरहम लगाने का कोई प्रयास होगा। जिंदा रहने पर उसे फिर इसी समाज में जीना है। फिर कभी न कभी उसे इसी बस अड्डे पर आना है। इन्हीं सडकों पर उसे अकेले भी चलना है। देर सवेर, रात बरात, खेत खलिहान, स्कुल कॉलेज, आंगनवाड़ी, दफ्तर आते-जाते न जाने और कितने दरिंदे दराट लेकर इन मासूम लड़िकयों को मारने

कुचलना के लिए तैयार बैठे मिलेंगे। कहने को तो हम कन्या पूजन भी करते हैं। मां को अपना अपनी आराध्य मानते हैं। व्रत उपवास भी करते हैं। परंतु देवी मां की साक्षात् अंश इन मासूम लड़िकयों पर जब इस तरह के अत्याचार होते हैं सच में कलेजा कांपने लगता है। रातों की नींद गायब हो जाती है। ऐसी लड़िकयों में अपनी बच्चियों की सूरत नजर आने लगती है। आज यह हादसा किसी अजनबी लड़की के साथ हुआ है। कल मेरी बहन, बेटी या परिवारजन या किसी सखी सहेली के साथ हुआ तो कौन बचाएगा उसे। कैसे हम जी पाएंगे? हमारी रक्षा कैसे हो पाएगी? यह प्रश्न मन में घमते रहेंगे। शायद तब तक, जब तक धौलाधार पर बर्फ जमी रहेगी।

आज जरूरत है शासन-प्रशासन के कठोर दंड की ताकि जो हर किसी अबला को अपनी बहन बेटी समझ कर उसकी रक्षा करने के लिए आगे आए उसे सुरक्षा दें। उसे विश्वास दिलाएं कि घर, परिवार, खेत-खिलहान दफ्तर, बस अड्डा, रेलवे स्टेशन, घर आंगन मैं बेटियों को सुरक्षा मिले और असामाजिक तत्वों एवं दरिंदों को कड़ी से कड़ी सजा मिले ताकि भविष्य में कोई भी इस तरह की घटना को अंजाम देने का साहस न कर पाए। बहन बेटी को

सुरक्षा का विश्वास हो। सब कुछ उसका है उसका अपना सा उसे हक है यहां हंसने बतियाने, खेलने कूदने, मुस्कुराने और चुलबुली हरकतें करने का उसे हाथ मिले। किसी को कोई हक नहीं है कि वह उसके जीवन की मुस्कान को छीन ले। समाज में संवेदना अपनापन प्यार मोहब्बत का एहसास हमारी इन बेटियों को जरूर होना चाहिए।

इस अधमरे समाज में जान नहीं दिखती। हमें जुल्म को सहने की आदत सी हो गई है। किसी पर अत्याचार होता रहे, हमें क्या है? हम तो सुरक्षित हैं हमारा भला कौन क्या बिगाड़ सकता है? लेकिन इस दंभ में यह भूल जाते हैं कि आज उसकी बारी है, कल मेरी भी तो हो सकती है। आज किसी अजनबी पर दरार चला है तो कल मेरे किसी अपने पर भी कोई दराट से वार हुआ है कल मुझ पर भी हो सकता है। आज सौभाग्य रहा कि कुछ युवकों ने हिम्मत करके हमलावर को दबोच लिया। उसका दरार छीन लिया और घायल लड़की अस्पताल तक पहुंच पाई। कल क्या होगा? हमेशा तो कोई बचाने नहीं आएगा। फिर यह पुलिस कानून व्यवस्था शासन प्रशासन किस मर्ज की दवा है? ये प्रश्न हमारे अपने हैं हमारे परिवार और हमारे समाज के बीच में से निकले हैं। हमारे मन से उपजे हैं। हमारे मन में कुलबुला रहे उस घायल लड़की की तरह जो तेज धार हथियार दराट से चित्त होने से शायद बच गई हो। क्या कानून अपना काम करेगा या इस बेगुनाह लड़की को न्याय भी मिल सकेगा? अथवा हमेशा की तरह जन आक्रोश शांत होने तक कुछ दिखावटी कार्यवाही करने का ढोंग रचाया जाएगा और फिर कुछ दिनों बाद उस दरिंदे को फिर से इन मासूम लड़िकयों के बीच में दराट हाथ लिए हुए खुला छोड़ दिया जाएगा...

- हितेन्द्र शर्मा पत्रकार एवं साहित्यकार कुमारसैन, शिमला, हि.प्र.

देवीलाल की विरासत चार जगह बंट रही है और जनता समझ रही है : चौ बीरेंद्र सिंह

कमलेश भारतीय . हिसार

चौ देवीलाल की विरासत चार जगह बंट रही है और जनता सब समझ रही है। हरियाणा के लोग समझ रहे हैं। जो परिवार एकजुट रहते हैं, वे समृद्ध भी होते हैं और एकता भी रहती है लेकिन जो इस तरह बिखर जाते हैं वे कभी एक नहीं होते और यही बात चौ देवीलाल के परिवार की हो रही है। यह कहना है कांग्रेस के दिग्गज नेता व पूर्व केंद्राय मंत्री चौ बीरेंद्र सिंह का। वे आज पूर्व मंत्री व आर्य समाज के नेता हरिसिंह सैनी की अंतिम श्रद्धांजलि समारोह में सी ए वी स्कूल में श्रद्धांजलि अर्पित करने आये थे।

-कांग्रेस लोकसभा चुनाव के जायेगी। प्रत्याशियों की घोषणा करने में देरी



मची है। ऐसा क्यों?

जजपा !

-जैसी राजनीति की है पिछले

सालों में, यह उसका परिणाम है । मैं

तो इसे राजनीतिक भ्रष्टाचार कहता

हूँ । उसी का परिणाम भुगत रही है

-किसान जगह जगह भाजपा व

कर रही है। क्या कहेंगे?

-वैसे तो कभी एक महीने से कुछ दिन ऊपर बच रहे हैं। फिर भी अभी बैठकें हो रही हैं। उम्मीद है कि जल्द प्रत्याशियों की घोषणा हो

-जजपा में ज्यादा भागमभाग

तरह क्यों कर रहे हैं? समय -किसने क्या किया हरियाणा में सबको पता है

इसका। नेगेटिव सोच रखी किसानों के प्रति ! वैसे कुछ राजनीतिक लोगों के लक्ष्य भी होते हैं, वे भी किसान आंदोलन की अपने हित के लिए बात करत ह हित भी साधे जाते हैं।

जजपा नेताओं का विरोध कर रहे

हैं। दोनों दल एक दसरे पर दोष मढ

रहे हैं। आखिर किसान इस

-फिर किसान कहां जायें?

-किसानों और कमेरों को अपनी लड़ाई गैर राजनीतिक लड़नी पड़ेगी। समय तो थोड़ा लम्बा लगेगा लेकिन कोई इनकी आड़ में अपने हित नहीं साध सकेगा।

फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत 23 अप्रैल को जोधपुर व पाली में प्रचण्ड समय . शिमला फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत 23

अप्रैल को जोधपुर व पाली में रोड शो करने वाली है। कंगना यहां लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में वोट मांगने के लिए आ रही है। भाजपा की ओर से कंगना का 23 अप्रैल का पूरा कार्यक्रम जारी

भाजपा की ओर से जारी किए गए कार्यक्रम के तहत कंगना 23 अप्रैल दोपहर 2 बजे जोधपुर एयरपोर्ट पहुंचेगी। यहां से कंगना पाली जाएगी। पाली में शाम 5 बजे से शाम 6 बजे तक पाली लोकसभा प्रत्याशी पीपी चौधरी के समर्थन में रोड शो कर लोगों ने वोट की अपील करेंगी। इसके बाद कंगना शाम 7 बजे जोधपुर में भाजपा प्रत्याशी गजेंद्रसिंह शेखावत के समर्थन में रोड शो



करेंगी। यहां कंगना के साथ भाजपा के कई स्थानीय नेता रहेंगे। इस रोड शो के बाद कंगना रात जोधपुर में ही विश्राम करेगी।

हिमाचल के सेब बाग़बानों को बर्बाद करने पर तुली केंद्र सरकार : भंडारी

हिमाचल प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष निगम भंडारी ने कहा है कि केंद्र सरकार निरंतर आयात शुल्क में कमी कर हिमाचल प्रदेश के सेब बाग़बानों को बर्बाद करने पर तुली है। उन्होंने कहा कि आयात शुल्क घटने से विदेश सेब का आयात बढ़ रहा है. जिससे हिमाचली सेब का अस्तित्व खतरे में पड गया है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश में सेब की आर्थिक 5000 करोड़ रुपए से ज्यादा की है और लाखों परिवार इस कारोबार



से प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से जुड़े हैं। किसान लगातार आयात शुल्क को 100 फ़ीसदी करने की मांग कर रहे हैं, लेकिन केंद्र सरकार इसे लगातार घटा रही है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है।

कहा कि सस्ते विदेशी सेब के कारण इस बार कोल्ड स्टोर में सेब रखने वाले बागवानों को भी नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि विदेशी सेब के कारण कोल्ड स्टोर का इस्तेमाल करने वाले बागवानों नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि अमेरिका, ईरान, अफगानिस्तान, न्यूजीलैंड, चिली, ब्राजील जैसे देशों से सेब आयात बढ़ रहा है। दक्षिण एशिया मुक्त व्यापार क्षेत्र होने से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को वर्ष 2014 दूसरी ओर पर इसे धरातल पर लागू

के रास्ते ईरानी सेब भारत पहुंच रहा है। ऐसे में कम लागत में ईरानी सेब के भारत पहुंचने से हिमाचली सेब नहीं टिक पा रहा है और अच्छे दाम नहीं मिल पाते। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने इस ओर ध्यान नहीं को 800-1200 रुपए प्रति पेटी का दिया तो इससे हिमाचल की सेब अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो जाएगी और इस कारोबार से जुड़े लाखों लोग बर्बाद हो जाएँगे।

निगम भंडारी ने कहा कि

और 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान विदेशी सेब पर आयात शल्क बढ़ाने और सभी प्रकार के कोल्ड डिंक्स में 5 प्रतिशत सेब का कंस्ट्रेट मिलाने का वादा किया था। लेकिन, केन्द्र सरकार ने इसके विपरीत विदेशी सेब पर आयात शुल्क घटाया है, जिससे हिमाचल के सेब की मांग कम हो रही है और बागवानों को नुक्सान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि एक ओर प्रधानमंत्री वोकल फॉर लोकल की बात करते हैं, वहीं

विदेशी सेब को प्रमोट कर हिमाचली सेब बाग़बानों की कमर तोड़ने का काम किया जा रहा है। भंडारी ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में 5 लाख से अधिक बागवान सीधे तौर पर सेब बागवानी से जुड़े हुए हैं और प्रदेश में हर साल लगभग 4 करोड़ सेब की पेटियों के उत्पादन से 5 हजार करोड़ रुपए का कारोबार होता है। ऐसे में सेब के आयात शुल्क कम होना हिमाचल प्रदेश के इन पांच लाख

नंदिता बाली को राष्ट्रीय साहित्य शिखर विद्श्री पुरस्कार

प्रवीण शर्मा . बही

प्रवीण शर्मा प्रचंड समय सेवानिवृत्त प्राध्यापिका एवं विख्यात लेखिका नंदिता बाली को इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान, संग्रहालय बालाघाट मध्यप्रदेश द्वारा राष्ट्रीय

नवाजा गया है। वहीं इतिहास एवं पुरातत्व शोध संस्थान, संग्रहालय ने अपनी पत्रिका गंगोत्री में नंदिता बाली की कविता बेटी बचाओ बेटी एकमात्र हिमाचली महिला हैं। पढ़ाओं को प्रकाशित किया है। नंदिता वहीं नंदिता बाली एकमात्र महिला

अवार्ड हैं और 2002 में समय मानवाधिकार में स्नातकोत्तर

चयनित किया और उनकी व्यक्तिगत

की महान महिला के रूप में वायोग्राफिकल डिप्लोमा करने वाली वह प्रथम व सोसायटी यू.एस.ए. केलिफोर्निया ने निरंतर लेखन व ऑनलाइन कवि में पहचान दी और आज भी उनका उपलब्धियों के लिए सम्मानित हैं। नंदिता बाली ने बताया के चित्र लगाव जारी है।

किया। बद्दी के हाउसिंग बोर्ड में रहने लेखन, गद्य व पद्य विधा लेखन के वाली नंदिता बाली हिन्दी प्रवक्ता के अलावा उनकी रूचि कविता लेखन पद से 2015 में सेवानिवृत्त हुईं और में रही है। लेखन ने उन्हें विश्वभर सम्मेलनों में हिस्सा लेती आ रही लेखन व कवि सम्मेलनो के प्रति

भाजपा अपने किसी भी मनसूबे में कामयाब नहीं होगी : संजय अवस्थी

किसी भी मनसूबे में कामयाब नहीं होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के पास चुनाव परिणाम आने के बाद कांग्रेस की सरकार ओर भी मजबूत होगी। भाजपा सत्ता में आने के सपने छोड़ दे। संजय अवस्थी ने पूर्व मुख्यमंत्री जयराम

प्रदेश कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष संजय उन्हें प्रदेश के लोगों की भावना को अवस्थी ने कहा है कि भाजपा अपने अपमान करने का कोई अधिकार नहीं है। प्रदेश के लोगों ने कांग्रेस को पूर्ण बहुमत देकर सत्ता में बिठाया है। कांग्रेस सरकार अभी भी पूर्ण बहुमत है और 4 जून को पूरी तरह स्थिर व मजबूत है और अपना में पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं कि भाजपा अपने धनबल से प्रदेश में भाजपा के धनबल को पहले ही ठुकरा कार्यकाल पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि के साथ एक बैठक में कहा कि उन्हें भाजपा को प्रदेश के लोग चारों खाने चित

करेगी। उन्होंने कहा है कि भाजपा को उसके

चुनावों में देंगे। उन्होंने कहा कि 4 जून को चुनाव परिणाम पूरी तरह कांग्रेस के पक्ष में आएंगे।

अवस्थी ने आज प्रदेश कांग्रेस कार्यलय भाजपा के किसी भी दुष्प्रचार का कड़ाई से जवाब देना होगा। उन्होंने कहा कि

इस अनैतिक कार्य पर रोक लग सकें व लोकतंत्र की रक्षा हो सकें। उन्होंने कहा चुनाव प्रभावित करने की पूरी कोशिश करेगी और कांग्रेस के सभी लोगों को इस पर अपनी कड़ी नजर रखनी होगी। उन्होंने उन्हें भाजपा के धनबल पर कड़ी नजर कहा कि भाजपा ने जिस प्रकार धनबल

षड्यंत्र का बदला प्रदेश के लोग इन रखते हुए इसकी पुख्ता जानकारी प्रदेश पर प्रदेश सरकार को अस्थिर करने की अवस्थी ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सरकार की जनकल्याण कीलप नीतिये कांग्रेस कमेटी के वॉर रूम को समय पर असफल कोशिश की है,ठीक उसी प्रकार उपलब्ध करवानी होगी जिससे समय पर यह मतदान के समय मतदाताओं से भी में सरकार ने कर्मचारियों को ओपीएस व ऐसा ही प्रयास कर सकती है।

> चुके हैं और वह भाजपा के किसी भी झांसे में आने वाले नहीं, पर बाबजूद इसके भाजपा के किसी भी षड्यंत्र पर नजर रखने की बहुत जरूरत है।

सुखविंदर सिंह सुक्खू के कुशल नेतृत्व व निर्णयों को घर घर तक पहुंचाया महिलाओं को 1500 रुपए की सम्मान उन्होंने कहा कि हालांकि प्रदेश के लोग राशि जारी कर प्रदेश के जनकल्याण के प्रति अपनी बचनबद्धता को पूरा किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने अपने 15 है। उन्होंने कहा कि जिस ब्लॉक में पार्टी माह के कार्यकाल में 22 हजार से अधिक का सबसे अच्छा प्रदर्शन रहेगा उसके बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर सभी पदाधिकारियों संगठन की ओर से प्रदान किये है। उन्होंने कहा कि प्रदेश विशेष मान सम्मान दिया जाएगा।

जाना चाहिए। उन्होंने पार्टी के सभी पदाधिकारियों को एकजुटता के साथ जो भी जिम्मेवारियों उन्हें दी गई है उनको पूरी निष्ठा व ईमानदारी से पूरा करने को कहा

डायबिटीज के मरीजों को कौन से फल खाने चाहिए, किनसे करें परहेज, डॉक्टरों से डिटेल में जानें

अगर आपको डायबिटीज है तो अकसर इस चीज को लेकर कन्फ्यूजन रहता होगा कि कौन सा फल खाना चाहिए। ये डायबिटीज मरीजों के साथ एक आम समस्या है। फल कौन सा खाएं और किन फलों का जूस पीएं इसको लेकर भी अब परेशान होने की जरूरत नहीं है। इसके बारे में हम आपको डिटेल में बताएंगे। इसके लिए हमने डॉक्टरों से बातचीत की है। हम जानेंगे कि डायबिटीज में फलों का क्या रोल है। लेकिन पहले जान लेते हैं कि डायबिटीज होती क्यों है।

डायबिटीज तब होती है जब शरीर में शुगर का लेवल मेंटेन नहीं रहता है। ऐसा शरीर में इंसुलिन के सही मात्रा में न बनने की वजह से होता है। कुछ लोगों को जन्म के साथ ही ये समस्या हो जाती है, जबिक कुछ में खराब खानपान और बिगड़े हुए लाइफस्टाइल के कारण शुगर लेवल बढ़ जाता है। अगर खाली पेट शुगर लेवल 100 mg/dL से ज्यादा रहता है तो ये डायबिटीज का संकेत है। वहीं अगर खाने के बाद शुगर 140 mg/dl से अधिक रहता है तो आपको डायबिटीज होने का खतरा है। अगर एक बार ये बीमारी हो जाए तो इसका कोई इलाज नहीं है। केवल इसको कंट्रोल किया जा सकता है।

क्या डायबिटीज में फल खा सकते हैं?

दिल्ली के लेडी हार्डिंग हॉस्पिटल के मेडिकल डायरेक्टर डॉ। सुभाष गिरी बताते हैं कि अमेरिकन डायबिटीज एसोसिएशन डायबिटीज मरीजों को फल खाने की सलाह देता है, लेकिन डायबटीज वाले लोगों को अक्सर अपना डाइट प्लान बनाने की जरूरत होती है। उन्हें अपने आहार में शुगर की मात्रा पर नजर रखने या बहुत अधिक कार्बोहाइड्रेट खाने से बचने की आवश्यकता हो सकती है।



फलों में कार्बोहाइड्रेट और शुगर होती है। खाद्य पदार्थों में फाइबर होता है उन्हें पचने में को धीरे-धीरे बढ़ाते हैं। हालांकि डायबिटीज के जानकारी होना जरूरी है कि कौन से फल खाएं फलों में फाइबर भी अधिक होता है और जिन अधिक समय लगता है, इसलिए वे ब्लड शुगर मरीज फल खा सकते है। लेकिन इसके लिए यह और किनको नहीं।

डायबिटीज में कौन से फल खाएं

कीवी संब संतरा स्ट्रॉबेरी चेरी जामूनैदी डायबिटीज में किन फलों को नहीं खाना है तरबूज अनानासकेला

क्या डायबिटीज में फलों का जूस पी सकते हैं?

सफदरजंग हॉस्पिटल में डॉ। दीपक कुमार सुमन ने बताया है।भोजन के दौरान या अकेले फलों का रस पीने से शरीर में शुगर का लेवल बढ़ सकता है। ऐसे में डायबिटीज मरीजों को फलों का जुस पीने से बचना चाहिए। खासतौर पर

्ष पान स बचना चाहिए। खासतीर पर पैक जूस न पीएं। इसके स्थान पर आप फलों का सेवन करें। इससे डायबिटीज कंट्रोल में रहती है। लेकिन बहुत ज्यादा फल न खाएं।

अधिक फल खाने से डायबिटीज शुगर लेवल बढ़ सकता है। कोशिश करें कि सूखे फल के बजाय ताजे फल का सेवन करें।

कितने फल खाएं

डॉ दीपक कहते हैं कि डायबिटीज मरीज अपनी डाइट में प्रतिदिन एक से दो फल शामिल कर सकते है। फलों को सुबह के समय खाएं तो ज्यादा बेहतर होता है। कभी भी खाने के साथ-साथ फल न खाएं और देर रात में भी फल खाने में बनें।

नफरत ऐसी कि रूह कांप जाए... कहानी उस कैंप की जिसे हिटलर ने यहूदियों के नरसंहार के लिए बनवाया

एडोल्फ हिटलर एक ऐसा नाम है जो अपनी क्रूरता के लिए पूरी दुनिया में कुख्यात है। 20 अप्रैल 1889 को ऑस्ट्रिया में जन्मे हिटलर ने जर्मनी की सत्ता संभाली तो तानाशाही की ऐसी मिसाल कायम कर दी, जिससे पूरी दुनिया के लोग आज भी दहशत खाते हैं। यहूदियों के धुर विरोधी हिटलर ने तो जैसे धरती से उनका नाम-ओ-निशान तक मिटाने की ठान ली थी। इसलिए उसने 60 लाख यहूदियों का कत्ल करवा दिया था। इनमें 15 लाख बच्चे भी शामिल थे।

यहूदियों के इस नरसंहार को होलोकास्ट के रूप में जाना जाता था। हद तो यह थी कि हिटलर ने यहूदियों के खात्मे के लिए पोलैंड में खास कैंप शुरू करा दिया था। हिटलर की बर्थ एनिवर्सिरी पर आइए जान लेते हैं इस कैंप से जुड़ा किस्सा।

दूसरे विश्व युद्ध के दौरान पोलैंड में शुरू कराए थे कैंप

हिटलर एक सैनिक के रूप में पहले विश्व युद्ध में जर्मनी की ओर से शामिल हुआ था। जर्मनी की हार के बाद उसने सेना छोड़ दी औ जर्मन वर्कर पार्टी का मेंबर बन गया जो बाद में नाजी पार्टी के रूप में अस्तित्व में आई। साल 1933 में हिटलर ने जर्मनी की सत्ता पर कब्जा कर लिया और नस्लवाद को बढावा देने लगा।

यहूदियों से भीषण नफरत के चलते हिटलर ने दूसरे विश्व युद्ध के दौरान पोलैंड पर कब्जे के बाद आशिवच में कन्सनट्रेशन कैंप शुरू कराए। वहां कम से कम 40 कैंप बनाए गए। तब उसके निशाने पर यूरोपीय देशों के यहूदी थे। इन कैंप में उसने यहूदियों को जड़ से मिटाने के लिए अपना फाइनल सॉल्यूशन बताया। आशिवच कैंप वास्तव में हिटलर की हैवानियत का खुला सेंटर था, जहां नाजी खुफिया एजेंसी एसएस के लोग यूरोप के सभी देशों से यहूदियों को

कैंप में पहुंचते ही गैस चैंबर में डाल दिए जाते थे यहदी

कई यहूदियों को कैंप में पहुंचते ही गैस चैंबर में डाल नए लाए गए यहूदियों को रखा जाता था।



दिया जाता था। काम लायक लोगों को नजरबंद कर दिया जाता था। इन यहूदियों की हर पहचान मिटाकर हाथ पर एक नंबर लिख दिया जाता था और उसी से उनकी पहचान होती थी। यह नंबर मिलने के बाद कोई यहूदी अपना नाम नहीं ले सकता था। इन कैदियों से इमारतें बनवाई जाती थीं, जिनमें नए लाए गए यहदियों को रखा जाता था।

यातनाओं के कारण जीते-जी मरे के समान हो जाते थे लोग

कैंप में जीवित रखे गए यहूदियों को इतनी यातनाएं दी जाती थीं कि जीते-जी वे मरे के समान हो जाते। उनके सिर के सभी बाल और शरीर के कपडे उतार लिए जाते थे। कपडों

के नाम पर चीथड़े दिए जाते थे। खाना इतना ही दिया जाता था, जिससे वे जिंदा रहें। यातनाएं सहते और काम करते-करते जो यहूदी किसी लायक नहीं बचते थे, उन्हें गैस चैंबर में डालकर कत्ल कर दिया जाता था।

बताया जाता है कि कम से कम 11 लाख लोगों को हिटलर ने गैस चैंबर डालकर मरवाया था। हजारों लोग ऐसे थे

सीने में जलन

गैस की शिकायत

पेट में कैंसर क्यों होता है

शरीर को नुकसान पहुंचा देते हैं।

कैंसर

धूम्रपान

थोड़ा सा खाने पर ही पेट भरा हुआ महसूस

पेट में कैंसर एच पाइलोरी बैक्टीरिया की वजह

बाद यह शरीर में अन्य जगहों पर फैल जाते है और

इन कारणों से भी हो सकता है पेट का

धूम्रपान भी पेट के कैंसर का कारण बन

सकता हैं। जब आप धुम्रपान करते हैं तब उसके

केमिकल शरीर में जाते है जो पेट के सेल्स को

प्रभावित कर सकते हैं। इसके अधिक सेवन से

अल्सर और कैंसर का खतरा रहता हैं।

से होता है। यह बैक्टीरिया पेट के

सेल्स को खराब करता हैं। यह खराब

सेल्स धीरे-धीरे बढ़ने लगते हैं और

पेट में ट्यूमर भी बना देते हैं। इसके

जो कैंप की ठंड और भुखमरी के कारण मरे थे। दूसरे विश्व युद्ध के छह सालों के दौरान नाजियों ने लगभग 60 लाख यहूदियों की हत्या की थी।

दूसरे विश्व युद्ध में हिटलर की हार और खुदकुशी के बाद सोवियत संघ ने आशंविच कब्जा किया, तब जाकर यहूदी नरसंहार का यह सिलसिला थमा। सोवियत संघ की सेना पहुंची तब भी कैंप में सात हजार कैदी थी। हालांकि, अपनी हार निश्चित देख नाजी सेना ने नरसंहार से जुड़े सबूत कैंप से मिटाने की कोशिश भी की थी।

यह था यहूदियों से नफरत का कारण

जर्मनी में नेशनल सोशिलस्ट जर्मन वर्कर्स पार्टी यानी एनएसडीएपी को ही नाजी कहा जाता था। पहले विश्व युद्ध के बाद बनाई गई यह नाजी पार्टी 1920 के दशक में लोकप्रिय होती गई, क्योंकि जर्मनी युद्ध हार गया था और उसे विजेताओं को बहुत पैसे देने पड़े थे। ऐसे में जर्मनी की अर्थव्यवस्था बेहद बुरे दौर से गुजर रही थी और लोग गरीबी में जीवन बिता रहे थे। तभी सामने आया हिटलर जो खुद तो ऑस्ट्रिया में पैदा हुआ था पर जर्मन नागरिक के रूप में अपने भाषणों से किसी को भी मोहित कर लेने में सक्षम था।

जर्मनी के लोग इतने नस्लवादी थे कि उनका मानना था कि वही दुनिया में सबसे ऊपर हैं। जर्मन खुद यहुदियों के



धुर विरोधी थे। इसीलिए हिटलर ने भी वही राह पकड़ी, जिससे जर्मनी के लोगों का भरोसा जीता जा सके। एक और बड़ा कारण यह था कि उस दौर में जर्मनी की सत्ता और

पूंजीपित वर्ग में यहूदियों का ही आधिपत्य था। इससे जर्मन यहूदियों से और भी नफरत करने लगे। धीरे-धीरे हिटलर ने अपनी सत्ता के द्वार यहूदियों के विरोध से खुलते देखे तो वह भी उनसे नफरत करने लगा, जिसका अंजाम बहुत ही बरा हुआ।

अगर पेट में हो रही है ये परेशानी तो हो सकता है कैंसर, जानें बचाव के तरीके

कैंसर आज भी एक जानलेवा बीमारी है। यह कई तरह का होता है, इन्ही में से एक पेट का कैंसर भी है। इसको गैस्ट्रिक कैंसर भी कहा जाता हैं। इसके लक्षणों की बात करें तो शुरुआती स्टेज में इसके संकेत आम समस्याओं जैसे होते है, लेकिन उन्हें हल्के में लेना शरीर को भारी नुकसान पहुंचा सकता है। पेट का कैंसर काफी खतरनाक होता है। इसकी वजह से जान का जोखिम भी रहता है। पहले ये समस्या बढ़ती उम्र में होती थी, लेकिन अब कम उम्र में भी लोग इस बीमारी का शिकार हो रहे हैं। अधिकतर मामलों में कैंसर का पता काफी देरी से चलता है। इसका कारण है कि लोगों को पेट के कैंसर के लक्षणों की जानकारी नहीं होती है।

ऐसे में यह जानना जरूरी है कि पेट के कैंसर के क्या लक्षण होते हैं। डॉक्टरों के मुताबिक, पेट के कैंसर की शुरुआत में पेट के आसपास के हिस्से में दर्द होना शुरू होता है, लेकिन लोग इसको गैस की समस्या मान लेते हैं और खुद से ही दवा खाने लगते हैं। इस वजह से शरीर में लंब समय तक बना हुआ यह लक्षण नजरअंदाज हो जाता है और शुरुआती स्टेज में इसका पता नहीं चल पाता है, जिससे बीमारी बाद में गंभीर रूप ले लेती है। ऐसे में आपको पेट के कैंसर के सभी लक्षणों की जानकारी होनी चाहिए।



ये हैं पेट के कैंसर के लक्षण

वजन घटना पेट में दर्द भूख में कमी खाना निगलने में परेशानी खानपान

पेट में कैंसर का एक बड़ा कारण गलत खानपान भी हो सकता हैं। जो लोग ज्यादा फास्ट फूड खाते है उनको पेट के कैंसर का खतरा अन्य लोगों की तुलना में ज्यादा होता है।

दवाओं का साइड इफेक्ट

दवाओं के साइड इफेक्ट के कारण पेट मे कैंसर हो सकता हैं। दवाओं मे कइ तरह के केमिकल मौजूद होते हैं जिसके साइड इफेक्ट की वजह से पेट के सेल्सस खराब हो सकते हैं।

पेट के कैंसर की जांच कैसे कराएं

एंडोस्कोपी बायोप्सी सोनोग्राफी सीटी स्कैन

बचाव कैसे करें

फास्ट फूड से परहेज करें हरी सब्जियों व फलों को खाएं बासी खानपान न करें धूम्रपान न करें समय-समय पर पेट की जांच कराएं



अदा शर्मा की ये अदा देख हो जाएंगे हैरान, प्याज -लहसुन की ज्वेलरी पहन पोज देती आईं नजर

मुंबई। अदा शर्मा इसी महीने मार्च में रिलीज हुई फिल्म 'बस्तरः द नक्सल स्टोरी' को लेकर चर्चा में रहीं। हालांकि ये फिल्म उनकी पिछली फिल्म 'द केरल स्टोरी' की तरह कमाल नहीं दिखा सकी। इस फिल्म की वजह से खूब वाहवाही मिली थी। इस फिल्म ने टिकट खिडकी पर जमकर कारोबार किया था। अदा ने 'बस्तरः द नक्सल स्टोरी' और 'द केरल स्टोरी' जैसी फिल्में कर के ये साबित कर दिया है कि वह किसी भी तरह की भूमिका में आसनी से खुद को ढाल सकती हैं। ऐसे में अदा के चाहने वालों की लिस्ट भी लगातार लंबी होती जा रही है। हालांकि अभिनय के अलावा अदा अपनी खुबसुरती और अपने स्टाइल को लेकर भी चर्चा मैं बनी रहती हैं। अब हाल ही में उन्होंने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें आप भी उनका स्टाइलिश



अदा शर्मा ने पहनी प्याज -लहसुन अंदाज देखकर चौंक जाएंगे।

दरअसल, अदा ने जो अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं उसमें वो आइवरी कलर का लहंगा पहने बेहद खूबसूरत नजर आ रही हैं। उनके लहंगे पर बना फ्लोरल डिजाइन उनके लुक को और भी ज्यादा ग्रेसफुल बना रहा है। इस लुक में वो वाकई काफी हसीन दिख रही हैं। हालांकि इस लुक के साथ अदा ने जो किया है न उसके बारे में तो आप सोच भी नहीं सकते हैं। आमतौर पर एक्टेसेज लहंगे के साथ हैवी ज्वेलरी पहने पोज देती नजर आती हैं। लेकिन अदा ने तो सोना-चांदी या डायमंड की ज्वेलरी नहीं कैरी बल्कि वो इस दौरान प्याज -लहसुन से बनी ज्वेलरी पहने पोज देती हुई नजर आ रही हैं। वहीं अदा ने अपनी इन तस्वीरों को शेयर करते

हुए कैप्शन में लिखा है- 'इस पोस्ट में किसी भी असली प्याज और लसून को चोट नहीं पहुंची है। एक्सेसरीज घर पे भूल गए ...इसलिए।' अब अदा की ये अदा देख लोग भी हैरान हो रहे हैं। उनकी ये तस्वीर इस वक्त सोशल मीडिया पर खुब वायरल हो रही है। फैंस इस पर तरह-तरह से रिएक्शन देते हुए नजर आ रहे हैं।

अदा शर्मा की प्रोफेशनल लाइफ

अदा शर्मा के वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में एक्ट्रेस 'सनफ्लावर सीजन 2' और 'बस्तरः द नक्सल स्टोरी' में नजर आई थीं।वहीं फिलहाल वह 'द गेम ऑफ गिरगिट' को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। अब अदा के चाहने वाले उन्हें एक बार फिर से पर्दे पर देखने के लिए

मुंबई। दिव्यांका त्रिपाठी टीवी की पॉपुलर स्टार हैं। टीवी के अलावा उन्होंने साल 2012 में आई 'लाला हरदौल' जैसी फिल्मों में भी काम किया है। लेकिन, उन्हें असल फेम 'ये है मोहब्बतें' और 'बन मैं तेरी दुल्हन' जैसे सीरियल से मिला। लंबे समय से दिव्यांका किसी टीवी सीरियल में नजर नहीं आईं हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई को दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने इस बात का जिक्र किया कि आखिर क्यों उन्होंने सीरियल से दूरी बना ली है।

बातचीत में दिव्यांका त्रिपाठी ने कहा, "मेरे लिए कैरेक्टर बहुत जरूरी है। अगर कैरेक्टर सही तरीके से लिखा गया हो फिर उसे निभाने में भी मजा आता है। अब दिक्कत ये है कि जो रोल्स मुझे ऑफर हो रहे हैं, उनमें शो के प्लॉट को लेकर क्लैरिटी नहीं है। इनमें अचानक से बदलाव आ जाता है।"

'ये है मोहब्बतें' के बारे में बात करते हुए दिव्यांका ने बताया, "मैंने 'ये है मोहब्बतें' में संदीप सिकंद जैसे शानदार लोगों के साथ काम किया है। इसमें मेरा काम आसान था क्योंकि मेकर्स को क्लैरिटी थी। मुझे अपने किरदार का ग्राफ पता था। आज के समय में मुझे टीवी शोज में ये क्लैरिटी नहीं दिखती है। अगर मुझे कोई ऐसा किरदार मिले

जो सही तरीके से लिखा गया हो तो मैं उसे

दिव्यांका ने 'ऑल इंडिया रेडियो' में बतौर एंकर अपने करियर की शुरुआत की थी। उनके अनुसार, टीवी ने उनकी जिंदगी में एक खास रोल निभाया है और टीवी ने उनके करियर को बनाया है। दिव्यांका ने ये भी कहा कि उन्होंने एक्टिंग टीवी से ही सीखी है और टीवी से बेहतर कोई एक्टिंग स्कूल नहीं है। हाल ही में हुआ था एक्सिडेंट

18 अप्रैल, 2024 को दिव्यांका त्रिपाठी का एक एक्सीडेंट हो गया था। इसकी जानकारी उनके पति विवेक दिहया ने सोशल मीडिया पर दी थी। विवेक ने दिव्यांका के हेल्थ पर एक अपडेट शेयर किया था। जो वीडियो उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर किया था उसमें दिव्यांका खुद कहती दिखी थीं कि वो ठीक हैं और जल्द ही हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होने वाली हैं। इसके साथ ही उन्होंने फैन्स को उनका सपोर्ट करने के लिए

जीनत अमान के 'लिव-इन रिलेशनशिप' वाले बयान पर अब बोलीं आलिया भट्ट की मां सोनी राजदान



जीनत अमान ने बीते दिनों

एक पोस्ट शेयर किया था. जिसमें वह यवाओं को शादी से पहले लिव-इन में रहने की सलाह देती हुई नजर आई थीं। जीनत ने अपने पोस्ट में लिखा था कि- 'यदि आप किसी रिश्ते में हैं तो आपको सलाह दुंगी शादी करने से पहले साथ रहे। यह वही सलाह हैं जो मैंने हमेशा अपने बेटों को दी है, दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में रह चुके हैं या रह रहे हैं। यह मुझे लॉजिकल लगता है कि इससे पहले कि दो लोग अपने परिवार और सरकार को अपने समीकरण में शामिल करें, वे पहले अपने रिश्ते को टेस्ट करें।' वहीं जीनत अमान ने जबसे ये पोस्ट शेयर किया है इसपर अब तक कई स्टार्स रिएक्ट कर चुके हैं।

सोनी राजदान ने जीनत अमान को किया सपोर्ट

पहले सायरा बानो ने इसपर अपनी राय दी थी। इसके बाद बीते दिनों जीनत के इस बयान पर दिग्गज अभिनेता मुकेश खन्ना भी अपनी राय दे चुके हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान ये कहा था कि 'हमारी संस्कृति और इतिहास में लिव-इन रिलेशनशिप को मान्यता नहीं है। वहीं अब हाल ही में सोनी राजदान ने भी इसको लेकर रिएक्ट करते हुए एक पोस्ट शेयर किया है, जो इस वक्त सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। 'लिव-इन रिलेशनशिप' बयान पर रिएक्ट करते हुए सोनी राजदान ने जीनत अमान का पक्ष लेते हुए एक पोस्ट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि 'हे भगवान। सोच भी नहीं सकती कि अगर कोई कपल लिव-इन रिलेशनशिप में साथ रहे और साथ न हो तो क्या होगा। दिमाग चकरा जाता है।'

जीनत सोशल मीडिया पर रहती हैं एक्टिव

बते दें कि जीनत अमान अपने समय की सबसे मल्टी टैलेंटेड एक्ट्रेसेस में से एक रही हैं। वह अपनी बेहतरीन एक्टिंग के अलावा अपनी खुबसुरती के लिए भी जानी जाती थीं। हालांकि 72 साल की उम्र में भी वे अपनी अच्छी पर्सनैलिटी के कारण लाखों लोगों के दिलों पर राज कर रही हैं। वहीं जीनत सोशल मीडिया पर भी खासा एक्टिव रहती हैं जहां वो अकसर कोई न कोई तस्वीर या वीडीयो फैंस के साथ शेयर कर उनसे जुड़ी रहती हैं। फिलहाल इन दिनों वो अपने 'लिव-इन रिलेशनशिप' वाले पोस्ट को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं।